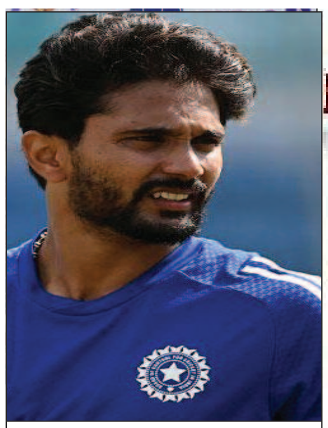

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

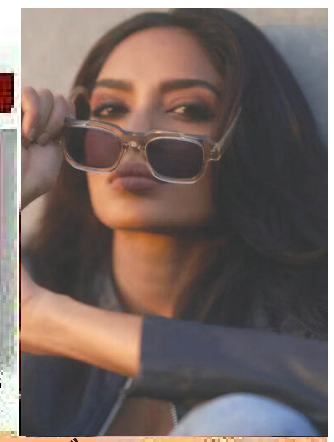

मुश्ताक अली ट्रॉफी : नीतीश की हैट्रिक बेकार गयी -पेज: 7

जींस और लैक जैकेट पहनकर शोभिता धुलिपाला ने दिखाया स्वैग -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 244 | शनिवार 13 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

ममता बनर्जी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर शोक जताया

कोलकाता एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह उनके निधन से दुखी हैं। बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट किया, वरिष्ठ जननेता, लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल के निधन से दुखी हूं। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री और लोकसभा सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न मुद्दों पर उनसे हुई मेरी बातचीत के दिन मुझे याद हैं। उनके शोक संतप्त परिवार, मित्रों और अनुयायियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पाटिल का शुक्रवार को महाराष्ट्र में उनके गृह नगर लातूर में निधन हो गया। वह कुछ समय से बीमार थे। वह 90 वर्ष के थे। लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष रहे पाटिल ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार भी संभाला था।

अल्पसंख्यक संस्थानों में आरटीई लागू करने की मांग वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर लगाया 1 लाख का जुमार्ना

नई दिल्ली एजेंसी: अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा संचालित मदरसों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों पर ह्यराइट टू एजुकेशन (आरटीई) अधिनियम लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस बी.वी. नागरथना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने न केवल याचिका पर सुनवाई से इनकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया आरटीई अधिनियम अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू नहीं बेंच ने स्पष्ट कहा कि याचिकाकर्ता ने वर्ष 2014 में आए सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले (प्रमती एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट

बनाम भारत संघ) को अप्रत्यक्ष रूप से चुनौती देने की कोशिश की है, जबकि इस फैसले में साफ कहा गया था कि आरटीई अधिनियम अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को रिट याचिका के जरिए चुनौती नहीं दे सकते अदालत ने कहा, आप सुप्रीम कोर्ट के फैसले को रिट याचिका के जरिए चुनौती नहीं दे सकते। ऐसी याचिकाएं न्यायपालिका की नींव को कमजोर करने का प्रयास हैं। हम याचिकाकर्ता पर केवल 1 लाख रुपये का जुमार्ना लगा रहे हैं, लेकिन इसे अवमानना का मामला बनने से

यह याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई थी। इसमें मांग की गई थी कि आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(सी)-जिसमें निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए

रोकने के लिए खुद को सीमित रख रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए 25% आरक्षण अनिवार्य यह याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई थी। इसमें मांग की गई थी कि आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(सी)-जिसमें निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य है-अल्पसंख्यक संस्थानों पर भी लागू की जाए। छात्रों को वाणिज्यिक आधार पर दाखिला याचिकाकर्ता का दावा था कि प्रमती फैसले की वजह से बड़ी संख्या में बच्चों को विविधता और समावेश वाले वातावरण में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार नहीं मिल पा रहा है। उसका आरोप था कि कई अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान आम वर्ग के छात्रों को वाणिज्यिक आधार पर दाखिला देते हैं, लेकिन कमजोर वर्गों के बच्चों को शामिल करने की संवैधानिक और विधिक जिम्मेदारी से बचते हैं। उसके अनुसार, यह व्यवहार अनुच्छेद 14, 15(4) और 21ए का उल्लंघन है तथा अनुच्छेद 30(1) के तहत दी गई स्वायत्तता का दुरुपयोग है। 6 से 14 वर्ष की उम्र के बच्चों को पढ़ाने वाले सभी स्कूलों में शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य की जाए इससे पहले, अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट की दो न्यायाधीशों की एक अन्य पीठ ने एक पीआईएल को मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा था, जिसमें मांग की गई थी कि 6 से 14 वर्ष की उम्र के बच्चों को पढ़ाने वाले सभी स्कूलों (अल्पसंख्यक संस्थानों सहित) में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य की जाए।

जनगणना पर मोदी सरकार का बड़ा कदम, 11718 करोड़ का बजट मंजूर, दो चरणों में क्रियान्वयन अप्रैल 2026 से शुरू होगा

नई दिल्ली एजेंसी: एक ऐतिहासिक फैसले में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये के भारी भरकम आवंटन को मंजूरी दे दी है, जो भारत की मूलभूत डेटा-संग्रह प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह महत्वपूर्ण निवेश देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना को शक्ति प्रदान करेगा, जिससे सदियों पुरानी कागजी प्रक्रिया को सुगम मोबाइल और वेब-आधारित प्रक्रियाओं में परिवर्तित किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मंजूरी की घोषणा करते हुए बताया कि कैसे यह देश को तीव्र शहरीकरण और तकनीकी बदलावों के बीच सटीक जनसांख्यिकीय जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। यह निधि ऐप

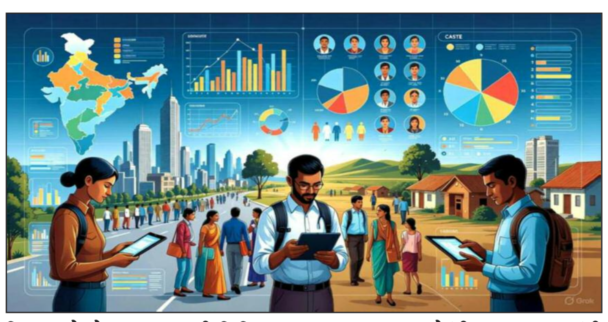

विकास से लेकर राष्ट्रव्यापी डिजिटल बुनियादी ढांचे तक सब कुछ कवर करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत का कोई भी कोना पीछे न छूटे। अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी - अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच घरों की सूची तैयार करना और फरवरी 2027 में जनसंख्या की गणना करना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में खुलासा किया कि जनगणना 2027 में पारंपरिक तरीकों को छोड़कर अत्याधुनिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। जनगणना कर्मी जमीनी स्तर पर डेटा एकत्र करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करेंगे, जबकि उत्तरदाता एक उपयोगकर्ता-अनुकूल वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं गणना करने में सक्षम होंगे। एक केंद्रीय समर्पित पोर्टल संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी करेगा, जिससे वास्तविक समय में निगरानी और गुणवत्ता जांच संभव हो सकेगी। राय ने इस बात पर जोर दिया कि यह हाइब्रिड दृष्टिकोण–क्षेत्रीय दौरों और ऑनलाइन विकल्पों का मिश्रण–प्रक्रिया को समावेशी, कुशल और पिछली जनगणनाओं में व्याप्त त्रुटियों की संभावना को कम करता है। भारत के विशाल भूगोल को ध्यान में रखते हुए जनगणना दो सुनियोजित चरणों में की जा रही है। पहला चरण, मकानों की सूची और आवास जनगणना, अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच शुरू होगा और लचीलेपन के लिए प्रत्येक राज्य में मात्र 30 दिनों में पूरा हो जाएगा।

अमित शाह की भविष्यवाणी होने लगी सच ! कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी नेतृत्व से माँगने लगे हिसाब

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो दिन पहले ही लोकसभा में अपने भाषण में कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा वार करते हुए कहा था कि कांग्रेस पार्टी की लगातार हार का हिसाब एक दिन कांग्रेस के अपने कार्यकर्ता ही आलाकमान से मांगेगे। देखा जाये तो अमित शाह की यह भविष्यवाणी राजनीति में सिर्फ एक बयान नहीं थी, आज की स्थिति देखकर लगता है कि वह सीधे कांग्रेस के भीतर फैलते असंतोष को भांप चुके थे। हुआ भी वैसा ही। ओडिशा से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का पत्र आ गया, जिसमें पार्टी नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए गए और उसी दिन शशि थरूर कांग्रेस संसदीय दल की बैठक से अनुपस्थित रहे, मानो पार्टी के भीतर उबलता लावा अब सतह पर फूटने लगा हो। हम

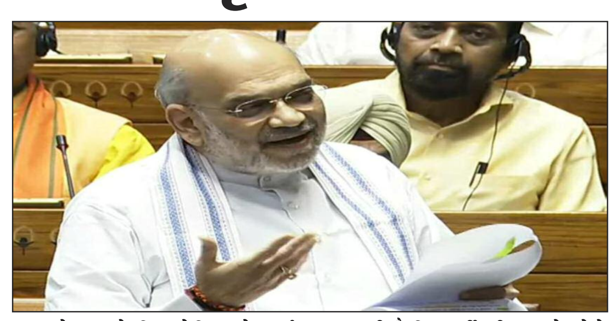

आपको बता दें कि ओडिशा के पूर्व कांग्रेस विधायक मोहम्मद मुकिम ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस की सौ साल पुरानी विरासत हाथ से फिसल रही है और इसका कारण है नेतृत्व में स्पष्टता की कमी, संगठनात्मक ढीलापन और जमीनी कार्यकताओं की उपेक्षा। मुकिम ने मांग की है कि पार्टी की बागडोर ऐसे नेता के हाथ में दी जाए जो युवा, ऊजार्वान और प्रभावी जनसंपर्क क्षमता रखता हो। उन्होंने इस संदर्भ में प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि पार्टी को अब नए नेतृत्व की सख्त जरूरत है। हम आपको बता दें कि मुकिम के पत्र में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व न तो चुनावी धरातल समझ पा रहा है, न संगठन को मजबूत कर पा रहा है। यही कारण है कि हालिया उपचुनावों में कांग्रेस को भारी पराजय झेलनी पड़ी। कई नेता और कार्यकर्ता दिशा हीन महसूस कर रहे हैं और पार्टी धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता खोती जा रही है। उधर बीजेपी ने इस मौके को हाथों-हाथ लेते हुए दावा किया कि कांग्रेस में अब खुलकर दो गुट बन चुके हैं यानि टीम राहुल बनाम टीम प्रियंका। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह पत्र कांग्रेस के भीतर की उथल-पुथल का सिर्फ एक नमूना है; असंतोष का असली स्वरूप इससे कहीं बड़ा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस कार्यकताओं में मोहभंग बढ़ रहा है और वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से सवाल उठा रहे हैं।

वंदे मातरम और चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान सत्तापक्ष की धज्जियां उड़ा दीं: राहुल गांधी

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि विपक्ष ने संसद में वंदे मातरम्' और चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान सत्तापक्ष की धज्जियां उड़ा दीं और गृह मंत्री अमित शाह मानसिक रूप से परेशान थे। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पूरा तंत्र वोट चोरी' में शामिल रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, हमने संसद में हुई वंदे मातरम्' और मतादाता सूची के गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा में उनकी (सत्तापक्ष) धज्जियां उड़ा दी। अमित शाह सदन में मानसिक रूप से परेशान थे, बहुत दबाव में थे। उन्होंने सदन में गाली तक दे दी। इसके पीछे कारण है कि वह और उनका पूरा सिस्टम वोट चोरी' में शामिल था।'' इससे पहले राहुल गांधी ने, निचले सदन के कांग्रेस सदस्यों के साथ शुक्रवार को बैठक

की, जिसमें उन्होंने वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान ह्यवंदे मातरम्' और चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान पार्टी सांसदों के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार अब इन दोनों विषयों पर दबाव में है। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। राहुल गांधी ने कांग्रेस के लोकसभा सदस्यों के साथ संसद भवन परिसर में यह बैठक की, जिसमें पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल को श्रद्धांजलि भी दी गई। पाटिल का 90 वर्ष की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। बैठक के बाद कांग्रेस सूत्रों ने बताया, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार वंदे मातरम् और चुनाव सुधारों के मुद्दों पर दबाव में है तथा हमारे सांसदों ने चर्चा के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया।'' सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने पीटीआई-वीडियो' से कहा, यह नियमित तौर पर होने वाली बैठक थी। नेता प्रतिपक्ष हर सत्र में सांसदों के साथ बैठक करते हैं। कामकाज का मूल्यांकन करते हैं। सांसदों के विचारों को सुनते हैं।''

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने पार्टी विधायकों को चर्चा के लिए दिल्ली आने को कहा : बीरेन सिंह

मणिपुर एजेंसी: मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय नेतृत्व ने पार्टी विधायकों को राज्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली आने को कहा है। सिंह ने पत्रकारों से कहा, भाजपा एक राष्ट्रीय पार्टी है। पार्टी नेताओं ने विधायकों को रविवार को राज्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाया है। मेरा मानना है कि यह सरकार गठन से संबंधित हो सकता है, लेकिन अब तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। हममें से कई लोग (दिल्ली के लिए) रवाना हो रहे हैं। सिंह ने यह भी उम्मीद जताई कि राज्य में जल्द एक लोकप्रिय सरकार का गठन हो सकता है। मई 2023 से लेकर अब तक मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच हुई जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केंद्र सरकार ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। राज्य विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है, जिसे निलंबित कर दिया गया है। मणिपुर में 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं।

राजनीति बंद कर समाधान ढूंढ़ें, प्रियंका चतुवेर्दी ने प्रदूषण पर चर्चा की मांग का किया स्वागत

नई दिल्ली एजेंसी: शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुवेर्दी ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वायु प्रदूषण पर चर्चा की मांग का स्वागत किया और जोर देकर कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय हमें इसका समाधान ढूंढना चाहिए, क्योंकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इससे पीड़ित हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने इस बात पर बल दिया कि दिल्लीवासियों को ऐसा लगता है मानो वे हर दिन जहरीली हवा में सांस ले रहे हों और भाजपा के सत्ता में होने के बावजूद इस मुद्दे पर बहस न होने की आलोचना करते हुए कहा कि यह कभी आम आदमी पार्टी के खिलाफ हमले का एक प्रमुख मुद्दा हुआ करता था। एएनआई से बात करते हुए चतुवेर्दी ने कहा मैं इसका स्वागत करता हूं। ऐसा लगता है जैसे हम हर दिन जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। आम आदमी पार्टी के सत्ता में रहते हुए भाजपा इस मुद्दे पर चर्चा करती थी, लेकिन सरकार बनने के बाद भी

इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इससे पीड़ित हैं। इस पर राजनीति करने के बजाय हमें इसका समाधान ढूंढना चाहिए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिगड़ते वायु प्रदूषण संकट पर संसद में व्यापक चर्चा के राहुल गांधी के आह्वान का समर्थन करते हुए कहा कि यह मुद्दा अत्यावश्यक है और "सरकार को एक अच्छी कार्य योजना बनानी चाहिए" और उसे आगे बढ़ाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि वायु प्रदूषण हर साल बढ़ता जा रहा है और इसके लिए एक समन्वित राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह सहमत हूं, और मुझे लगता है कि सभी सहमत होंगे। सरकार ने भी कहा है कि हम सभी को इस पर चर्चा करनी चाहिए और एक कार्य योजना बनानी चाहिए। यह हर साल बढ़ रहा है। हम अन्य सभी विषयों पर चर्चा करते हैं, इसलिए इस पर भी चर्चा होनी चाहिए और कुछ ठोस परिणाम निकलना चाहिए। अगर सरकार एक अच्छी कार्य योजना बनाती है और उसे आगे बढ़ाती है, तो यह बहुत अच्छा होगा।

धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी बची रहेगी सृष्टि: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को किसानों से कहा कि धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी सृष्टि बची रहेगी। बाराबंकी के दौलतपुर ग्राम में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन तथा खेती की बात खेत पर नामक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रबी सत्र की किसान पाठशाला की शुरूआत करते हुए कहा कि "धरती माता हमारा पेट भरने के लिए अन्न उत्पन्न करती है, लेकिन इसका स्वास्थ्य भी ठीक रहना चाहिए और स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो मानव ही नहीं बल्कि सारी सृष्टि बची रहेगी।" खेत पर पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की कृषि प्रगति, बहुफसली खेती, तकनीकी नवाचार, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था की पारदर्शिता और किसानों की आय वृद्धि के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनेक कार्यक्रम वर्तमान में चल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नेशनल विजन ऑफ नेचुरल फार्मिंग के जिस अभियान को आगे बढ़ाया है ये उसी कड़ी का हिस्सा है। योगी ने कहा, "वे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) हमेशा कहते हैं कि किसान की आमदनी को बढ़ाने का पहला मंत्र है लागत

कम हो तथा उत्पादन ज्यादा हो। अन्नदाता किसान को समय पर बीज, खाद, सिंचाई की सुविधाएं तथा वैज्ञानिक पद्धतियों का सहयोग मिले तो ये संभव है।" यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों का सम्मान भी किया गया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी किसानों को चेक व स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रदर्शनी में उन्नत किस्मों की फसलों, सब्जियों, कृषि यंत्रों और एफपीओ आधारित नवाचारों का अवलोकन भी किया गया, जबकि दौलतपुर की उन्नत

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को किसानों से कहा कि धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी सृष्टि बची रहेगी। बाराबंकी के दौलतपुर ग्राम में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन तथा खेती की बात खेत पर नामक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी...

खेती के मॉडल को प्रदेश के अन्य जनपदों के लिए प्रेरणा बताया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य है, जहां 25 करोड़ लोग निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में राज्य ने समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उर्वर भूमि, पर्याप्त जल संसाधन और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण राज्य कृषि और अवसंरचना के क्षेत्र में अग्रणी बना है। योगी के अनुसार देश की कुल कृषि योग्य भूमि में उत्तर प्रदेश का हिस्सा 11 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय खाद्यान्न आपूर्ति में प्रदेश का योगदान 21 प्रतिशत है। सरकार ने किसानों को बीज से लेकर बाजार तक आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी सुनिश्चित की है। स्वॉइल हेल्थ कार्ड, फसल बीमा, गन्ना भुगतान, कृषि मंडियों के विस्तार तथा स्टोरेज और प्रोसेसिंग सुविधाओं ने किसानों को लाभ पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नौ भौगोलिक जलवायु क्षेत्र हैं और इनके अनुरूप उन्नत बीज तथा तकनीक उपलब्ध कराने पर कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 से पहले की तुलना में आज रिकॉर्ड उत्पादन और पारदर्शी व्यवस्था ने प्रदेश की प्रगति को नयी दिशा दी है। कृषि विकास दर को 8.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 17.7 प्रतिशत तक पहुंचाया गया है।

संपादकीय

भारत और रूस की दोस्ती असीमित

कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? उधर रूस और चीन के हित एक दूसरे के संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। नई दिल्ली आने से ठीक पहले व्लादीमीर पुतिन ने भारत- रूस के संबंध के बारे में अपना टेम्पलेट सामने रखा है। उन्होंने संदेश दिया कि वे भारत से वैसी ही 'असीमित दोस्तीइ चाहते हैं, जैसी उन्होंने चीन के स्थापित की है। पुतिन ने कहा- ह्यचीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हमने आर्थिक मुद्दों पर ठोस वार्ता कायम की है। भारत यात्रा के दौरान हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन मुद्दों पर विस्तार से बातचीत करेंगे। इनमें रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों का आयात बढ़ाना भी शामिल है।

यही संदेश देने के लिए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भारतीय पत्रकारों से ऑनलाइन बातचीत की। उन्होंने कहा- 'हमारा चीन के साथ असीमित सहयोग बना है। भारत के बारे में भी हमारा वही रुख है। रूस वहां तक जाने को राजी है, जहां तक भारत तैयार हो। पेस्कोव ने संकेतों में यह भी कहा कि भारत को रूस से अपने संबंध तय करने में अमेरिकी हस्तक्षेप का ख्याल नहीं करना चाहिए। उन्होंने एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली और सुखोई-57 लड़ाकू विमान भारत को बेचने की पेशकश की। उम्मीद जताई भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा। मगर भारत में चिंता यह है कि ये रूसी मंशाएं पूरी हुईं, तो उसका खराब असर अमेरिका से रिश्तों पर पड़ेगा। फिर बढ़ते व्यापार घाटे की भारत की अपनी चिंताएं भी हैं।

भारत इस समय रूस को जितना निर्यात करता है, उससे लगभग 17 गुना ज्यादा आयात कर रहा है। इसके अलावा अप्रैल 2000 से सितंबर 2025 तक भारत में प्रत्यक्ष रूसी निवेश महज 1.33 बिलियन डॉलर का हुआ, जबकि रूस में 12.8 बिलियन डॉलर का भारतीय निवेश हुआ है। तो कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? दरअसल, रूस और चीन के हित संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। इस कारण भारत- चीन विवाद में रूस निष्पक्ष रुख लेने की स्थिति में नहीं रह गया है। ये सारे वो पेच हैं, जिन्हें खोले बिना भारत और रूस की दोस्ती शायद असीमित रूप ना ले पाए।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ा दरिद्र

सिंहगढ़ राज्य की सीमा के पास एक गांव सोनपुर में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देख कुछ दिन वे वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले-यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया। एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि सिंहगढ़ के महाराज अपनी विशाल सेना के साथ उधर से गुजर रहे हैं। महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, वत्स! सोनपुर छोड़ने की घड़ी आ गई। शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, कृपया मुझे आशीर्वाद दें। महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, हे सिंहगढ़ नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से संपन्न है। फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद हो। इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है। राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने आदेश दिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पोक्सो मामलों की बढ़ती लंबितता भारत के समक्ष बढ़ता गंभीर संकट

कांतिलाल मांडोत

भारत एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और नैतिक मूल्यों वाला देश माना जाता है जहाँ बच्चों को देवतुल्य समझने की परंपरा रही है। किंतु यह अत्यंत पीड़ादायक सत्य है कि आज इसी देश में नाबालिगों के खिलाफ अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और उससे भी बड़ी चिंता का विषय यह है कि इन मामलों का निपटारा वर्षों तक अधर में लटका रहता है। पोक्सो यानी लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत तस्वीर पेश करती है। आंकड़े बताते हैं कि देश में पोक्सो के 35 हजार से अधिक मामले वर्षों से लंबित चल रहे हैं और न्याय की प्रक्रिया पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए एक असहनीय इंतजार बन गई है ।2023 तक लंबित मामलों का जो विवरण सामने आया है, वह किसी भी समाज और शासन के लिए चिंता का गंभीर संकेत है। उत्तर प्रदेश में 10,556 मामले लंबित हैं जो देश में सबसे अधिक हैं। महाराष्ट्र 7,962 लंबित मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। तमिलनाडु में 1,910, मध्यप्रदेश में 1,736, छत्तीसगढ़ में 375 और राजस्थान में 224 मामले अभी भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। बिहार में 1,079, झारखंड में 415, पंजाब में 152, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश दोनों में 101, चंडीगढ़ में 16 और उत्तराखंड में 374 मामलों की लंबितता भी यही सिद्ध करती है कि न्यायिक प्रक्रिया के बोझ ने पीड़ितों के लिए न्याय की राह लंबी और कठिन बना दी है। यह स्थिति बताती है कि देश में पोक्सो कानून का उद्देश्य जितनी तेजी से पूरा होना चाहिए था, उससे बहुत दूर है।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल ने बताया है कि देश में कुल 773 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट कार्यरत हैं जिनमें से 400 कोर्ट विशेष रूप से पोक्सो मामलों के लिए बनाए गए हैं। इन अदालतों ने अब तक 3.5 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है जो निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन उसके बावजूद हजारों मामले अभी भी अधूरे पड़े हैं। यह दशार्ता है कि केवल अदालतों की संख्या बढ़ा देना समाधान नहीं है। न्याय प्रक्रिया में पुलिस, अभियोजन, मेडिकल रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच, गवाही और साक्ष्य संकलन जैसे कई चरण होते हैं और इनमें होने वाली देरी पोक्सो मामलों की लंबितता को बढ़ाती रहती है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश में हर तीन मिनट में एक बच्चा अपराध का शिकार बनता है और हर आठ मिनट में एक पोक्सो का मामला दर्ज होता है। इन आंकड़ों में बीते दो वर्षों के भीतर ही तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है जो सामाजिक व प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चेतावनी का इशारा है। 2021 से 2025 के बीच कुल 1,31,692 पोक्सो मामले दर्ज किए गए। वहीं सबसे कम मामले मिजोरम, नागालैंड, लद्दाख और अंडमान निकोबार जैसे क्षेत्रों में सामने आए हैं।

एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि कई मामलों में अपराध की प्रकृति इतनी संवेदनशील होती है कि बच्चे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। उदाहरण के तौर पर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया जिसमें कहा गया कि किसी नाबालिग लड़की का हाथ पकड़ना और उसे पैसे देकर यौन संबंध का प्रस्ताव देना भी पोक्सो एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है। यह फैसला यवतमाल जिले की घटना पर आया जिसमें एक 13 वर्षीय बच्ची से आरोपी ने दो बार यौन इरादे से संपर्क किया था। अदालत ने आरोपी को सश्रम कैद की सजा सुनाई। यह फैसला स्पष्ट करता है कि अदालतें कानून की भावना के अनुरूप सख्त दृष्टिकोण अपना रही हैं, लेकिन मामलों की संख्या में निरंतर वृद्धि और उनके निपटारे में देरी स्थिति को गंभीर बनाती जा रही है। लंबित मामलों का सबसे बड़ा कारण पुलिस जांच की धीमी गति, मेडिकल व फोरेंसिक रिपोर्ट में देर, गवाहों का न मिल पाना, पीड़ित परिवारों का दबाव में आ जाना और अदालतों में पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। कई बार परिवार सामाजिक भय के कारण बयान देने से पीछे हट जाते हैं। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और अधिक गंभीर होती है जहाँ पीड़ितों को न्याय पाने के लिए सामाजिक प्रताड़ना भी सहनी पड़ती है।

कर्ज, कर और कुशासन का त्रिकोण!

सोनम लववंशी

हिमाचल प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक दिशा जिस मोड़ पर खड़ी है, वहाँ पिछले तीन वर्षों की सरकारी कार्यशैली राज्य की पीढ़ियों पर गहरा असर छोड़ती दिखाई देती है। 11 दिसंबर 2025 को सुक्खू सरकार अपने तीन वर्ष पूरे कर रही है, किंतु इस दौरान एक पहले से संतुलित और स्थिर राज्य ऐसा ढलान महसूस कर रहा है जिसकी कल्पना भी हिमाचल जैसे शांत प्रदेश के लोगों ने न की थी। वित्तीय संकट, अव्यवस्थित नीतियाँ, ध्वस्त प्रशासनिक ढांचा, बढ़ती बेरोजगारी, आपदा प्रबंधन की विफलता और उद्योगों का पलायन। इन सभी ने मिलकर हलचल भरी स्थिति पैदा कर दी है जिस पर अब न केवल विपक्ष, बल्कि आम नागरिक भी गंभीर सवाल उठा रहे हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार बेरोजगारी दर 4.4 फीसदी तक पहुँच चुकी है, जबकि 15-29 आयु वर्ग में स्थिति भयावह दिखती है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सर्वेक्षण के मुताबिक राज्य का हर तीसरा युवा नौकरी से वंचित है। अप्रैल-जून 2025 की तिमाही मां युवा बेरोजगारी 29.6 प्रतिशत दर्ज की गई जो राष्ट्रीय औसत 14.6 प्रतिशत से दुगुनी रही। यह आँकड़ा सिर्फ बेरोजगारी नहीं दर्शाता, बल्कि यह उस टूटते विश्वास का दस्तावेज बनता जा रहा है जिसके सहारे युवाओं ने '5 लाख नौकरियों' जैसी घोषणाओं को एक उम्मीद की तरह स्वीकार किया था। राजनीतिक आश्वासन जितनी आसानी से दिए गए, उतनी ही तेजी से खोखले साबित हुए और अब इन्हें युवा पीढ़ी राजनीतिक भाषणों की एक औपचारिक रस्म के रूप में देखने लगी है।

दरअसल राज्य की औद्योगिक स्थिति भी लगातार कमजोर हो रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पिछले तीन वर्षों में बिजली दरों में तेज वृद्धि देखने को मिली। ऐसी फैक्ट्रियों का बिजली बिल जो पहले लगभग 25 लाख रुपये आता था, अब 50 लाख रुपये से भी ऊपर पहुँच गया है। ऊर्जा लागत में इस असंतुलन ने उद्योगपतियों का मनोबल तोड़ दिया है और वे क्रमशः अन्य राज्यों का रुख कर रहे हैं जहाँ नीतियाँ स्थिर और उद्योग-अनुकूल मानी जाती हैं। यह पलायन हिमाचल की अर्थव्यवस्था पर दोहरा प्रहार कर रहा है। रोजगार घट रहा है और राजस्व में गिरावट आ रही है। पर्यटन और कृषि पर अधिक निर्भर रह चुके हिमाचल ने बीते वर्षों में औद्योगिकीकरण की दिशा में एक स्थिर आधार बनाने की कोशिश की थी, किंतु वर्तमान परिस्थितियों ने उस बनती संरचना को लगभग ध्वस्त कर दिया है। वित्तीय अव्यवस्था का हाल यह है कि सरकार अपनी कर्ज सीमा पूरी कर चुकी है। वर्ष 2025 में पहले से लिए गए 7,200 करोड़ रुपए के भारी कर्ज के बाद और 350 करोड़ रुपए की माँग नई दिशा दिखाने के बजाय इस बात का प्रतीक बनती है कि विकास योजनाएँ ठप हैं और पूरा ढांचा कर्ज पर निर्भर होता जा रहा है। करोड़ों की पुनरावृत्ति जिस सहजता से हो रही है, उससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार के पास राजस्व बढ़ाने की ठोस रणनीति नहीं है। नीतिगत अनिर्णय ने राज्य की आर्थिक रीढ़ कमजोर कर दी है और जनता पर टैक्स बढ़ाकर बोझ डाला जा रहा है। दूध पर 0.10 पैसे का सेस, बिजली पर पर्यावरण सेस, डीजल की ऊँची कीमतें और 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना का समाप्त होना। इन सबने मध्यवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है।

चुनावी वादों का हश्र भी जनता के सामने खुल चुका है। महिलाओं के लिए 1,500 रुपए मासिक भत्ता, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 5 लाख नौकरियों जैसे वादे अब तक लागू न हो सके। स्वयं सूबे की सरकार के मंत्रियों ने स्वीकार किया कि 'फंड उपलब्ध नहीं है,' जो यह दशार्ता है कि गारंटियाँ बिना वित्तीय विश्लेषण और बिना दीर्घकालिक योजना के घोषित की गई थीं। इस स्वीकारोक्ति के बाद हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की राजनीतिक विश्वसनीयता को गंभीर चोट पहुँची है। इतना ही नहीं इन तीन वर्षों में अपराध और नशा तस्करी की स्थिति तेजी से बिगड़ी है। हिमाचल का शांत पहाड़ी क्षेत्र अब 'ड्रग कॉरिडोर' के रूप में चर्चा में आ रहा है। पिछले तीन वर्षों में 5,000 से अधिक नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनपीडीएस) के मामले दर्ज हुए, जबकि पूरे प्रदेश में केवल 5 नशामुक्ति केंद्र हैं। यह संख्या समस्या की गंभीरता की तुलना में अत्यंत कम है। नशे का विस्तार न केवल कानून व्यवस्था की कमजोरी दिखाता है, बल्कि यह युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य, सामाजिक ढाँचे और परिवारों की स्थिरता को गहरी क्षति पहुँचा रहा है। सूबे की आपदा प्रबंधन की स्थिति भी किसी परीक्षा में असफल छात्र जैसी दिखती है। 2025 में कमजोर पहाड़ियों पर अवैध निर्माण, न्यायालयों की चेतावनियों की अनदेखी और खराब प्रशासनिक योजना के कारण 300 से अधिक लोगों की जान गई और लगभग 2,600 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ। केंद्र सरकार द्वारा जारी 2,006 करोड़ रुपए की राहत राशि का उपयोग भी सुस्त प्रशासनिक कार्रवाइयों के चलते प्रभावी ढंग से नहीं हो सका। राहत वितरण, पुनर्वास, सड़क और पुलों की मरम्मत, सब कुछ कागजी फाइलों तक सीमित रह गया और जनता अपनी पीड़ा में अकेली खड़ी रही।

इन सबके बीच राज्य का राजनीतिक नेतृत्व एक-दूसरे पर आरोप मढ़ने में व्यस्त रहा। इस टकराव ने प्रशासन में ठहराव पैदा किया, जिसके चलते सरकारी मशीनरी जमी हुई दिखी। एक मजबूत और स्थिर शासन मॉडल पर आधारित हिमाचल, जिसे कभी शांतिपूर्ण, स्वच्छ और व्यवस्थित प्रशासन के लिए जाना जाता था, आज देश के उन प्रदेशों की सूची में शामिल हो रहा है जो आर्थिक और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रहे हैं। इन तीन वर्षों की तुलना जब पूर्ववर्ती शासन से की जाती है, तो कई नागरिक खुलकर कहने लगे हैं कि राज्य बेहतर स्थिति में था। बुनियादी ढाँचे से लेकर वित्तीय अनुशासन तक, अनेक मोर्चों पर वह एक व्यवस्थित दिशा में बढ़ रहा था। आज की स्थिति में लोग यह महसूस कर रहे हैं कि घोषणाओं और वास्तविक क्रियान्वयन के बीच खाई बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पिछले 11 वर्षों से विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। केंद्र का विकास-केन्द्रित दृष्टिकोण, युवा-उन्मुख कार्यक्रम और बुनियादी ढाँचे में तेज सुधार राष्ट्र को नई ऊँचाइयों की ओर ले जा रहे हैं। ऐसे समय में हिमाचल की वर्तमान अव्यवस्थित स्थिति और भी स्पष्ट रूप से सामने आती है क्योंकि राष्ट्रीय प्रगति के बीच राज्य पीछे जा रहा है।

हिमाचल के लोगों ने 2022 में विश्वास के साथ कांग्रेस की गारंटियों को स्वीकार किया था। उन्हें लगा था कि राज्य विकास, रोजगार और स्थिरता की नई दिशा पाएगा। तीन वर्षों की यह यात्रा अब उन्हें ऐसी वास्तविकता दिखा रही है जहां आर्थिक संकट, बढ़ती बेरोजगारी, अपराध, कर्ज और अव्यवस्था ने उम्मीदों को निचोड़ कर रख दिया है। फलस्वरूप हिमाचल आज देश के सबसे कमजोर और सबसे खराब तरीके से संचालित राज्यों की श्रेणी में गिना जा रहा है। राजनीति का अंतिम लक्ष्य जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति होता है। यदि शासन जनता के जीवन को सरल बनाने के बजाय बोझ बढ़ाए, वादों को अधूरा छोड़े, युवाओं को बेरोजगारी में धकेले और संसाधनों का दुरुपयोग करे, तो ऐसी सरकार जनता के लिए बोझ बन जाती है। हिमाचल के नागरिक आज उसी बोझ का अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वर्तमान स्थिति केवल राजनीतिक विफलताओं का दस्तावेज नहीं है, यह भविष्य के लिए चेतावनी है। ऐसे में समय आ गया है कि हिमाचल अपनी दिशा सुधारे, शासन सुधार की ओर लौटे और उन मूल्यों को पुनर्जीवित करे जिनकी वजह से यह प्रदेश हमेशा उच्च मानकों वाला माना जाता रहा है।

डिजिटल अरेस्ट ठगी से लाखों परिवारों के जीवन में अंधकार

लाखों लोगों व परिवारों के जीवन भर की कमाई को डिजिटल अरेस्ट के जरिए लूट कर उनके जीवन में अंधेरा कर दिया गया। यह कैसी विडंबना है कि जब तक देश में कथित डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अनुमानित तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक ठगी की जा चुकी है, कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, की साल से यह सिलसिला जारी है तब सरकार और जिम्मेदार सिस्टम की नींद खुली है और अपराधियों पर शिकंजा कसने की बड़ी मुहिम शुरू हो पा रही है। वह भी सरकार के बजाय शीर्ष अदालत की पहल पर।

इन दिनों देश में डिजिटल अरेस्ट के कई मामले लगातार सामने आ रहे हैं. सरकार के तमाम प्रयास के बावजूद डिजिटल अरेस्ट के कारण बुजुर्गों बड़ी संख्या में ठगी का शिकार हो रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल अरेस्ट मामलों पर सुनवाई करते हुए सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि इस मामले में अदालत जरूरी निर्देश जारी करेगी. न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि हर हैरानी की बात है कि देश में पीड़ितों से लगभग 3000 करोड़ रुपये डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगे जा चुके हैं. यह सब हमारे देश में ही हो रहा है. अगर हम इस मामले में ठोस और सख्त आदेश नहीं देंगे तो समस्या और गंभीर हो जाएगी.

आपको बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करें, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर को सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है। दुखद है कि साइबर अरेस्ट के मामलों में सबसे अधिक निशाना बुजुर्गों को ही बनाया जाता है, जिन्हें डिजिटल लेन-देन को गंभीर जानकारी नहीं होती। बुजुर्गों को निशाना बनाने का यह प्रतिशत 78 से 82 फीसदी बताया जाता है। कई जगह यह प्रतिशत 99 फीसदी तक है। वहीं जनवरी से अप्रैल 2024 में साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के 46 फीसदी मामलों के तार म्यांमार, कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों से जुड़े रहे हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में डिजिटल गिरफ्तारी साइबर अपराध के सबसे कुटिल रूप में बनकर उभरी है। यह अपराध न केवल देश की वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये, बल्कि कानून प्रवर्तन तंत्र में जनता के विश्वास के लिये भी बड़ा खतरा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन घोटालों की देशव्यापी जांच सीबीआई को सौंपने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय समय के अनुरूप सार्थक हस्तक्षेप है। इसी क्रम में कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों की जांच के लिये सीबीआई को सहमति दें। दरअसल, न्यायालय ने इस हकीकत को

स्वीकार किया है कि साइबर अपराधी राज्यों की सीमाओं का लाभ उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर टुकड़ों-टुकड़ों में जांच सीमा पार के साइबर अपराधियों के नेटवर्क को बढ़ावा देती है दरअसल, साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के जरिये भोले-भाले लोगों व बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। वे कानून प्रवर्तन अधिकारी पुलिस और जज बनकर मोटी रकम देने के लिये उन्हें ब्लेकमेल और आतंकित करते हैं।हालांकि अदालत ने कहा कि इस मामले से निपटने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी हो गया है. सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने एक अलग यूनिट की स्थापना की है और इस मामले से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बनाया जा रहा है. साथ ही डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए कई अन्य कदम उठाए गए हैं. डिजिटल अरेस्ट को लेकर हुई सुनवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और सीबीआई ने सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट सौंपी. केंद्र सरकार की ओर से पेश दलील के सुनने के बाद अदालत ने कहा कि मामला काफी गंभीर है और इस मामले में अदालत उचित आदेश पारित करेगी. मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी. गौरतलब है कि एक वरिष्ठ नागरिक दंपति ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के पत्र लिखकर बताया था कि 1 से 16 सितंबर के बीच उनसे 1.5 करोड़ रुपए की ठगी सीबीआई, इंटेलिजेंस ब्यूरो तो कभी न्यायपालिका के अधिकारी बनकर की गयी. धोखेबाजों ने फोन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपर्क किया और गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे वसूलने का काम किया. इतना ही नहीं उन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश दिखाए. मामला सामने आने के बाद अंबाला में दो एफआईआर दर्ज की गयी. जांच में पाया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को ठगी का शिकार बनाने के लिए संगठित गिरोह काम कर रहा है. अदालत ने 17 अक्टूबर को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई शुरू की और केंद्र सरकार और सीबीआई से जवाब देने को कहा. अदालत ने इस मामले में अटार्नी जनरल से भी सुझाव लेने का आदेश दिया.

उल्लेखनीय है कि हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति से एक करोड़ रुपये कीठगी के बाद अदालत ने इस व्यापक समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उन्हें धमकाने के लिये सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद परेशान करने वाली स्थिति है कि साइबर अपराधी सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को खतरे में डाल रहे हैं।तभी शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है, देश की केंद्रीय एजेंसी को इस मामले की तह तक तुरंत पहुंचना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों में एफआईआर दर्ज करने और धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज करने की पूरी छूट दी गई है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच का अधिकार भी दिया गया। इसके अलावा दूरसंचार विभाग को भी सिम कार्ड के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिये कहा गया है। निश्चित रूप से कोर्ट की सार्थक पहल के बाद यदि ये सभी उपाय सिरे चढ़ते हैं तो इस गंभीर अपराध के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दे पाना संभव होगा। कोर्ट ने विश्वास जताया है कि केंद्रीय एजेंसी बिना किसी भय या पक्षपात के जिम्मेदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी। इसमें राज्य सरकारों की सक्रियता व सजगता भी सीबीआई को अपराध की तह तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी जरूरी है कि एजेंसी की कार्रवाई में लालफीताशाही और राजनीतिक हस्तक्षेप न हो। इसके साथ ही नागरिकों को भी ऐसे अपराधों के प्रति सजग रहना होगा। जागरूकता सतर्कता उन्हें अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचा सकती है। ऐसी किसी कॉल के आने पर उन्हें रुककर विचार करना चाहिए और हड़बड़ी में बैंक से जुड़ी कोई जानकारी देने से बचना चाहिए। ठग खुद को केंद्रीय एजेंसियों या पुलिस विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ितों को फर्जी आरोपों में फंसाने की धमकी देते थे। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर उनसे बैंक खातों से बड़ी रकम ट्रांसफर कराई जाती थी। साइबर सेल और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अब तक 35 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये आरोपी गुजरात, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पकड़े गए हैं। राजनांदगांव की 79 वर्षीय शीला सुवाल को आरोपितों ने सीबीआई अधिकारी और जज बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से डराया। मनी लॉडिंग केस में फांसाने की धमकी दी। निर्दोष साबित करने रकम जज के खाते में ट्रांसफर करने को कहा। महिला ने उगों के बताए गए विभिन्न खातों में 79,69,047 रुपये ट्रांसफर कर दिए। एक अन्य मामले में ठगों ने फारेक्स व ट्रेडिंग विशेषज्ञ बताकर व्यापारी को फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग साइट का लिंक भेजा। पहले 15 हजार का छोटा मुनाफा देकर व्यापारी का विश्वास हासिल किया, फिर बड़े मुनाफे का लालच देकर 1,21,53,590 रुपये निवेश के नाम पर जमा कराए। दोनों मामलों में तीन आरापितों को पकड़ा गया है। पुलिस का कहना है कि अधिकांश मामलों में उप विदेशी कॉल सेंटरों की तरह काम करते हुए इंटरनेट कालिंग और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करते थे। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी संदिग्ध काल या डिजिटल अरेस्ट जैसी धमकियों पर विश्वास न करें और तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सीजेआई ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में सीबीआई की मदद करने के भी निर्देश दिए। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में एससी ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 का पता चला है।

अभी तक डिजिटल अरेस्ट कर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है आज भी लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रहीं हैं जिनमे लोगों को मोबाइल काल पर तरह तरह से धमका कर पैसा ठगी किया जा रहा है लोग जीवन भर की खून पसीने की कमाई चंद मिनटों में गंवा कर सुसाइड करने के लिए विवश हो रहे हैं। सरकार को ऐसे अपरोक्ष हत्यारों ठगों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

धनौरा में पुलिस ने बंग्लादेशी महिला को पति सहित गिरफ्तार किया,सऊदी अरब में हुआ था निकाह

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला को उसके पति सहित गिरफ्तार किया है बताया जा रहा है कि यह पिछले 2 महीने से धनौरा में अवैध रूप से रह रहे थे। इसके बाद खुफिया विभाग के अधिकारियों ने उनसे करीब 2 घंटे तक पूछताछ की। गिरफ्तार बांग्लादेशी महिला का नाम रीना बेगम और उसके पति का नाम राशिद अली बताया जा रहा है। बता दें कि पुलिस के मुताबिक रीना बेगम और राशिद अली ने नेपाल सीमा के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया था ,उनके पास से निकाह की रसीद मिली है जिससे पता चला कि उन्होंने कुछ साल पहले सऊदी अरब में निकाह किया था ।पुलिस ने बांग्लादेशी महिला के खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत

और उसके पति राशिद पर उसे अपने देश में शरण देने के आरोप में प्राथमिक की दर्ज की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सऊदी अरब में काम करने वाला राशिद अली जो मोहल्ला कटरा में सुनहरी मस्जिद के पास रहता है 2 महीने पहले एक बांग्लादेशी महिला को लेकर आया है, पूछताछ में रीना बेगम ने बताया कि वह ढाका जनपद के गाजीपुर के रहने वाली है और उसके पिता का नाम सुलेमान शेख है ,रीना बेगम भी सऊदी अरब में उसी अस्पताल में नौकरी करती थी जहां राशिद अली के पास फर्नीचर का ठेका था , यहीं दोनों के बीच नजदीकीयां बढ़ी और उन्होंने निकाह कर लिया। राशिद की पहली पत्नी धनौरा में रहती है ,बांग्लादेशी महिला रीना बेगम का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें वह विमान में बैठकर बाय-बाय बांग्लादेश कहती नजर आ रही है, एक अन्य वीडियो में वह बांग्लादेश एयरलाइंस के विमान के सामने खड़ी होकर बांग्ला भाषा में कुछ बोल रही है ,इस वायरल वीडियो के आधार पर ही खुफिया एजेंसियों को रीना बेगम के बांग्लादेशी होने का यकीन हुआ था।

स्वदेशी दिवस के अवसर पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का दिलाया संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को हसनपुर क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में स्वदेशी दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन एवं विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि 12 दिसंबर को प्रत्येक वर्ष'स्वदेशी दिवस' के रूप में याद किया जाता है।

यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के स्वदेशी आंदोलन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण दिन है। 12 दिसंबर 1930 को, स्वतंत्रता सेनानी बाबू गेनू सैद ने विदेशी कपड़ों से भरे एक ट्रक को रोकने के प्रयास में मुंबई में अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

उनके इस बलिदान को स्वदेशी आंदोलन के प्रति समर्पण और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की भावना को याद करने के लिए, इस दिन को 'स्वदेशी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य भारतीय निर्मित उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह चौहान, गनपत सिंह , खड़क सिंह, करन सिंह , वीर पाल, कपिल, राजेश, रूप चंद्र चौहान, रवि चौहान आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने कि मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य गतिमान है। तत्क्रम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी अमरोहा निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट, अमरोहा में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अनुपस्थित / शिफ्टेड

/ मृत / डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची उपलब्ध करायी गयी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार मृतक, शिफ्टेड तथा अनुपस्थित मतदाताओं का पुनः सत्यापन कराया जा रहा है, जिसमें आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ऐसे मतदाता जिनकी आयु 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु हो रही है, और उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है वह फार्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करा सकते है। सभी से अनुरोध किया गया कि बी०एल०ओ० का सहयोग करने के लिए

अपने-अपने बी०एल०ए० को निर्देशित करने का कष्ट करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, जिला महामंत्री भाजपा चंद्रभान सिंह, प्रतिनिधि समाजवादी पार्टी ऋषिपाल सिंह यादव, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि बसपा डा0 जफर महमूद अब्बासी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गजरौला में "स्वयं सहायता समूह यात्रा और प्रभाव संवाद कार्यक्रम का समापन"

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में स्पर्श सोशल फाउंडेशन और उमंग डेयरी द्वारा उमंग डेयरी परिसर संवाद कार्यक्रम का आयोजन अमरोहा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में गजरौला के आस पास क्षेत्र के फतेहपुर , जोगीपुरा कि मडीयों, कुमारला, शाहपुर, ततारपुर, वशीकला, महेशरा और मोहम्मदपुर पट्टी गाँव के स्वयं सहायता समूह से जुड़ी 35 महिलाओं ने भाग लिया। बता दें कि शुक्रवार को संवाद कार्यक्रम का संचालन स्पर्श सोशल फाउंडेशन सीनियर मैनेजर एस. आनंद द्वारा किया गया। स्पर्श सोशल फाउंडेशन के हैड मनीश प्रकाश शाहू और प्रोग्राम हैड मधुकर वर्मा ने द्वारा स्पर्श सोशल फाउंडेशन द्वारा अलग अलग राज्यों में चल रहे कार्यों के बारे में बताया ।उत्तर प्रदेश में स्पर्श द्वारा 954 स्वयं सहायता समूहों को संगठित और मजबूत करने में

महत्वपूर्ण रहा है, जिससे 10,032 से अधिक महिला सदस्यों के साथ कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में उमंग डेयरी प्लांट हैड रमेश प्रसाद सिंह द्वारा डेयरी प्रोडक्ट के बारे में बताया और समूहों की महिलाओं को आजीविका के अवसर में रलऋ सदस्यों को सहयोग के बारे में बताया ।खादी एवं ग्रामोद्योग से स्वाधीन कुमार ने खादी ग्राम उद्योग योजनाओं के बारे में समूह की महिलाओं को विस्तार से बताया जिसमें ब्याज मुक्त व टर्म लोन पर सब्सिडी वाली योजनाएं शामिल थी ।मोहन सिंह ने मिल्क पार्लर खोलने हेतु समूह के महिलाओं को सुझाव दिया जिससे उनकी आजीविका में सुधार होगा ।उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश कुमार ने कृषि से संबंधित समूह कि दीदियों के लिए योजनाएं जैसे फार्म मशीनरी मिनी बीज कीट, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन जैसी विभिन्न योजनाएं कृषि विभाग से समूह आईपीओ के लिए चलाई जा रहे हैं उनका लाभ उठाकर एफपीओ अपने टर्नओवर व लाभ वृद्धि कर सकते हैं।

कार्यक्रम का निरीक्षण करते हुए अश्विनी कुमार जिला विकास अधिकारी अमरोहा ने विभिन्न डिपार्मेंट से चल रही योजनाओं के बारे में विस्तार से समझाया ,साथ में उपस्थित संबंधित विभाग को यह कहा की समूह की महिलाओं का आपो के लिए जितना सहयोग विभाग से हो सकता है अधिक से अधिक सहयोग करें जो सहयोग महिलाओं को मिलेगा उसका निरीक्षण मेरे स्वयं द्वारा किया जाएगा साथ में महिलाओं को छोटे-छोटे रोजगार से बड़े रोजगार करने के लिए सलाह दी गई, जिससे उनका लखपति से 10 लखपति समूह की दीदिया बनेगी ।कार्यक्रम में स्पर्श सोशल फाउंडेशन प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण गोपाल, दिनेश, शिव प्रसाद, अरविन्द, हेमंत, सुमन, प्रेमवती, मीनू, पूजा, शीतल, अंकित आदि मौजूद रहे।

ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार सृजन हेतु संचालित योजनाओं की दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार सृजन हेतु संचालित योजनाओं एवं क्रिया कलापों तथा कार्यरत उद्यमियों को उत्पाद विकास, गुणवत्ता एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अमरोहा द्वारा तहसील अमरोहा के अन्तर्गत 17 दिसम्बर 2025 (दिन बुधवार) को विपणन विकास सहायता (एस.सी.एस.पी.) योजनान्तर्गत राजकीय आईटीआई, केशोपुर

कैलसा रोड, अमरोहा, जनपद अमरोहा में दिन में समय 12:00 बजे से तहसील स्तरीय जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जागरूकता कार्यक्रम में नवयुवक नवयुवतियों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं मुख्यमन्त्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, प्रशिक्षण व माटीकला उद्योग आदि से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी के साथ-साथ आवेदन करने हेतु आवश्यक प्रपत्रों, पंजीकरण / प्रमाण पत्रों प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने एवं विपणन सम्बन्धी जानकारी प्रदान करायी जायेगी। यह जागरूकता कार्यक्रम उ०प्र० खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से भविष्य में रोजगार स्थापित करनें के इच्छुक बेरोजगार नवयुवक/ नवयुवतियों के लिये अत्यन्त लाभदायक होंगे, अतः उन्हे कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु आमन्त्रित किया जाता है।

ग्राम पंचायत अटेरना में चौपाल आयोजित, ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर हुआ निराकरण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड जोया के अंतर्गत ग्राम पंचायत अटेरना में जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र के साथ डीडीओ, डीडी कृषि, डीपीआरओ, बीएसए, डीपीओ, आईसीडीएस, अधिशासी अभियंता विद्युत एवं जल निगम सहित जनपद व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने पेयजल, बिजली, हैंडपंप, नाली सफाई, शिक्षा एवं स्वरोजगार से जुड़ी समस्याएं रखीं। जल निगम अधिकारी ने बताया कि ग्राम में अभी पाइप पेयजल योजना का कनेक्शन नहीं हुआ है, लेकिन ग्राम की डिमांड पर अंडरग्राउंड पाइपलाइन का कार्य आगामी एक वर्ष में पूर्ण कर लिया जाएगा। बिजली विभाग के लाइनमैन अमरपाल के विरुद्ध अनियमितता की शिकायत मिली, जिस पर विद्युत विभाग के अधिकारी को तत्काल कार्रवाई के सख्त निर्देश दिए गए ।ग्राम में चार हैंडपंप खराब बताए गए थे। स्थलीय जांच में एक हैंडपंप पूरी तरह खराब मिला जबकि तीन में पानी कम आ रहा था। ग्राम पंचायत सचिव की जिम्मेदारी तय करने हेतु डीपीआरओ को निर्देशित किया गया। नाली सफाई की एक जगह शिकायत आई, जिसके लिए कल तक सफाई कराकर रिपोर्ट देने के आदेश दिए गए। प्राथमिक विद्यालय में मात्र 6 बच्चे नामांकित हैं जबकि 3 अध्यापक तैनात हैं। हेड मास्टर को अन्यत्र समायोजित करने के निर्देश बीएसए को दिए गए। गांव में 6 महिला स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, किंतु कोई स्वरोजगार गतिविधि नहीं कर रहे। बीएमएम को तत्काल बैठक आयोजित कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ।चौपाल में उपस्थित सभी अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाएगा।

मास्टर भूरे खान एंड शेरू परवेज मेमोरियल सद्भावना कप ऑल इंडिया क्रिकेट टूनार्मेंट का होगा आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के राजकीय मिनी स्टेडियम मे मास्टर भूरे खान एंड शेरू परवेज मेमोरियल सद्भावना कप ऑल इंडिया क्रिकेट टूनार्मेंट के आयोजन को लेकर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन और युथ क्रिकेट क्लब के द्वारा एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया। जिसमे बताया गया की इस ऑल इंडिया क्रिकेट टूनार्मेंट का उद्धघाटन 14 दिसंबर को सुबह किया जाएगा जिसमे उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड की 16 टीमे प्रतिभाग करेंगी इस टूनार्मेंट की विनर टीम को

121000 रुपए और रनर उप को 71000 रुपए और ट्रॉफी दी जाएगी इस मोके पर रिजवान पाशा, इमरान पाशा, नजम अली, परवेज पाशा, शहजाद फारूक, सिकंदर अली, नदीम बादशाह,अकरम अंसारी, मोज्जाम अली, सैंडी गुप्ता, अनिल चौहान, मोहम्मद नूर,बॉबी पाशा, नावेद आमिर, रोहित चंदेल,रजन असगर,महशर अली, मोहम्मद जाहिद, भरत, मोहम्मद जुबैर,तरीक चीना, आकिब, दीपांकूर, नफीस,अजीम अहमद, अनस खान,विजय ठाकुर, जावेद पाशा, मुजाहिद अली,डॉ वरुण,मुकररब पाशा,गुफरान, इकराम अली,अजय राव,शाहबाज, शानदार हुसैन,आरिफ,वाजिद मंसूर, रफी उल्लाह, खावर हसन, गौतम, मोहर सिंह मौजूद रहे।

जिला चिकित्सालय में विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं ज्योति चौधरी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार जनपद अमरोहा में दिनांक 12 दिसम्बर 2025 को जिला चिकित्सालय अमरोहा में "सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस 2025" के दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सी०एम०एस० अश्वनी भण्डारी ने की। सी०एम०एस० अश्वनी भण्डारी ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस को मूल रूप से प्रचारित विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बताया गया, जो की एक संयुक्त राष्ट्र का हिस्सा है

और पूमे विश्व की बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए जिम्मेदार है। संयुक्त राष्ट्र ने 2012 में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के प्रति एक प्रस्ताव पारित किया जिसमे स्वास्थ्य कवरेज में तेजी लाने के प्रति आकषित किया, तथा शिविर का संचालन लोकमान सिंह चौहान परा विधिक स्वंय सेवक ने किया लोकमान सिंह ने संचालन करते हुए बेहतर स्वास्थ्य अच्छा जीवन हर कोई चाहता है लेकिन आज के इस दौर में स्वास्थ्य सम्बंधित बीमारियां आम बात हो गयी है और सबसे बडी समस्या है वित्तीय संसाधनों की कमी और अच्छी स्वास्थ्य जाँच प्राप्त करने के लिए सबके पास अतिरिक्त पैसे नहीं होतें हैं खास तौर पर निम्न वर्ग के परिवार और गरीब लोगों के पास। इन मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए प्रति वर्ष संयुक्त राष्ट्र के द्वारा 12 दिसंबर को 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस के रूप में मनाया जना सुनिश्चित किया है। श्रीमति प्रीति परा विधिक स्वयं सेवक ने बताया कि "सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस 2025" भारत की स्वास्थ्य सेवा नीति का एक मूलभूत लक्ष्य है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों को समान और किफायती स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है। हर साल 12 दिसंबर को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज या यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) दिवस मनाया जाता है। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का एक लक्ष्य है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी को बिना किसी वित्तीय कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच मिले। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का क्या कार्य है, और कैसे करता है, और परा विधिक स्वंय सेवक कौन होते इनका क्या कार्य होता इन सब बातों से आम जनता को जागरूक कर सबके अच्छे स्वास्थय की परिकल्पना के साथ शिविर का समापन किया गया। शिविर में परा विधिक स्वंय सेवक डा० प्रथम चौधरी, प्रीति, रामनिवास, महेश सिहं शोभित, आदि परा विधिक स्वंय सेवक उपस्थित रहे।

धनौरा सड़क हादसे में बिजनौर के युवक की मौत

रोडवेज बस की टक्कर से हुआ हादसा,पुलिस ने शव पीएम को भेजा

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र में सड़क हादसे में बिजनौर के रहने वाले एक युवक की मौत हो गई ,यह हादसा सुबह के समय हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार रोडवेज बस ने ओवरटेक करने के चक्कर में सड़क पर चल रहे बाइक सवार को टक्कर मार दी ,जिससे युवक अनियंत्रित होकर गिर गया और उसकी मौत हो गई। हादसा होते ही बस चालक मौके से फरार हो गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि शुक्रवार की सुबह मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव पत्थर कुटी में एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह हादसा गांव स्थित एक्सिस बैंक के सामने हुआ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मृतक युवक बिजनौर जनपद के थाना हीमपुर क्षेत्र के गांव जहाल का निवासी था

जिसकी उम्र करीब 23 वर्ष थी। मृतक युवक का नाम गौरव पुत्र सुबे सिंह बताया जा रहा है जो अपनी बाइक से गजरौला की तरफ से आ रहा था इसी दौरान चांदपुर दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने ओवरटेक करने के प्रयास में उसकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई ।हादसे के बाद रोडवेज बस चालक बस छोड़कर मुकेश से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि मृतक गौरव गजरौला स्थित एक प्राइवेट फैक्ट्री में नौकरी करता था ।वहीं हादसे की सूचना मिलने पर धनौरा पुलिस भी मौके पर पहुंची जिसने घायल गौरव को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंडी धनौरा थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने मृतक गौरव के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचना दे दी है।

समग्र शिक्षा योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय कैरियर गाईडेन्स मेले आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के राजकीय इण्टर कॉलेज में समग्र शिक्षा माध्यमिक योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय कैरियर गाईडेन्स मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने फीता काट कर एवं ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर जनपद स्तरीय कैरियर गाईडेन्स मेले का विधिवत शुभारम्भ किया। राजकीय बालिका इण्टर कॉलिज की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत प्रस्तुत किये। बुकें एवं पुष्प माला भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। जिलाधिकारी अमरोहा एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों ने कैरियर गाईडेन्स मेले का अवलोकन करते हुए छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनका उत्साह वर्धन किया। जनपदीय कैरियर गाईडेन्स मेले में जनपद के 25 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने कैरियर सम्बन्धी स्टॉल लगाई। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने समारोह को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि शिक्षा वह कुंजी है जिससे भविष्य के कैरियर का दरवाजा खुलता है। छात्र-छात्राओं को अपनी रूचि के अनुसार कैरियर चुनाव कर उसके अनुसार लक्ष्य निर्धारित करना चाहिऐं और लक्ष्य प्राप्त करने के लिये परिश्रम करना चाहियें। उन्होने कहा कि शिक्षा संस्कार के बिना अधूरी है शिक्षा के साथ-साथ मानवीय गुणों को समाविष्ट कर एक कुशल व्यक्तित्व का निर्माण होता है। विद्यार्थियों को अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति को कभी भी अपने कैरियर में आडे.नहीं आने देना चाहियें। कठोर संकल्प और परिश्रम से ही मंजिल को प्राप्त किया जा सकता है। डॉ0 प्रवेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा ने कहा कि जनपद में कैरियर गाईडेन्स कार्यक्रम विद्यालय स्तर आयोजित करने के बाद छात्र-छात्रायें जनपद स्तरीय कैरियर गाईडेन्स मेले में प्रतिभाग कर रहे हैं। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विचार आपकी संकल्पना को प्रदर्शित करते हैं। संकल्पना को संकल्प में बदल कर लक्ष्य प्राप्ति के लिये कठिन परिश्रम की आवश्यकता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सतपाल सिंह ने विद्यार्थियों को नीट पैरामैडिकल कोर्स एवं मेडिकल के कोर्स करने के सम्बन्ध में मार्गदर्शन किया। उमेश कुमार प्रजापति, प्रमुख जिला प्रबन्ध बैंक अमरोहा (एल0डी0एम0) ने बताया कि विद्यार्थी बैंक सेवा एवं अकाउंटेन्सी का विकल्प का चुनाव कर किस प्रकार से बैंकिंग सेवा में अपना स्थान बना कर योगदान दे सकते हैं। सुशील कुमार, जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि छात्र-छात्राओं को सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से किस प्रकार से अपनी सेवाओं का विकल्प चुन सकते हैं। डॉ0 दीपक अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार ने मास कम्यूनिकेशन पत्रकारिता में कैरियर के विभिन्न विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आशा राणा, प्रभारी प्राचार्या, राजकीय पॉलोटैक्निक अमरोहा ने छात्र-छात्राओं को पॉलोटैक्निक कोर्स तकनीकि प्रशिक्षण एवं व्यावायिक शिक्षा प्राप्त कर अपने कैरियर को बेहतर बनाने के सम्बन्ध में मार्गदर्शन दिया। त्रिवेन्द्र कुमार ने कौशल विकास एवं आई0टी0आई0 के कोर्सेज के सम्बन्ध में छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। सुरेन्द्र सिंह, सेवानिवृत प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्रा ने खेलों में कैरियर बनाने के सम्बन्ध में मार्गदर्शन दिया। डॉ0 तारिक, जे0एस0हिन्दु डिग्री कॉलेज अमरोहा ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सम्बन्ध में एवं उच्च शिक्षा में कैरियर के विकल्पों के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन किया। मदनपाल सिंह, जिला समन्वयक समग्र शिक्षा (मा0), अमरोहा ने कैरियर गाईडेन्स कार्यक्रम के अन्तर्गत कैरियर क्लब के गठन, कैरियर क्लब का निर्माण एवं जनपद स्तरीय कैरियर मेले के बारे में विस्तार से बताया। जनपद स्तरीय कैरियर गाईडेन्स मेले के निर्णायक मण्डल में गौरव पुंडीर, राजकीय पॉलीटैक्निक कटाई, डॉ0 पवन कुमार गैरा, एसो0 प्रो0 जे0एस0 हिन्दु डिग्री कॉलेज अमरोहा एवं डॉ0 बब्लू सिंह, असि0 प्रो0 जे0एस0 हिन्दु डिग्री कॉलेज अमरोहा रहे। निर्णायकों ने कड़ी मसक्कत के बाद कैरियर गाईडेन्स मेले के प्रथम विजेता के रूप में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज हसनपुर, द्वितीय विजेता के रूप में पं0 दीनदयाल उपा0 रा0 मॉ0 इण्टर कॉलेज गजस्थल एवं तृतीय विजेता राजकीय हाईस्कूल देहरी गुर्जर का चयन किया। अतिथियों ने विजेताओं और प्रतिभागी विद्यालयों की टीमों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विजेता विद्यालयों को बधाई देते हुए और अधिक प्रयास करने के लिये प्रेरित किया। जनपदीय कैरियर गाईडेन्स मेले में अतिथियों ने राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज गजरौला की पंख मैगजीन का विमोचन कर प्रकाशित किया।

मिशन शक्ति 5.0 : सम्भल पुलिस की एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं-बालिकाओं को बनाया सशक्त व जागरूक

सम्भल (सब का सपना):- सम्भल पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में महिला पुलिसकर्मियों की टीमों ने थाना क्षेत्रों में चौपालें आयोजित कर महिलाओं-बालिकाओं से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का मौके पर निस्तारण भी किया। एंटी रोमियो स्क्वॉड की महिला पुलिसकर्मियों ने प्रमुख बाजारों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, कोचिंग सेंटरों, बस स्टैंडों एवं धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर सैकड़ों महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी पम्पलेट वितरित किए। इन पम्पलेट्स के माध्यम से नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही मोबाइल फोन पर पैनिक बटन के इस्तेमाल का लाइव डेमो देकर महिलाओं को तत्काल सहायता प्राप्त करने का तरीका बताया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि ह्लमिशन शक्ति 5.0 का मुख्य उद्देश्य न केवल महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है। हमारी महिला पुलिसकर्मी हर क्षेत्र में सक्रिय हैं और छेड़छाड़, दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर रही हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने कहा, महिलाओं का विश्वास जीतना हमारी प्राथमिकता है। चौपालों के जरिए हम उनकी समस्याएं सुन रहे हैं और तुरंत समाधान कर रहे हैं।

अवैध मिट्टी खनन व परिवहन पर खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई

साधारण मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉली व एक जेसीबी मशीन पुलिस के सुपुर्द की गई

सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी सम्भल के सख्त निदेशों के क्रम में खनन विभाग ने तहसील व जनपद सम्भल क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन एवं परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। खनन निरीक्षक शिवम कुमार एवं क्षेत्रीय अधिकारी बरेली की टीम ने ग्राम शाहपुरडसर में साधारण मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर पकड़ा। सभी वाहनों को मढ़न पुलिस चौकी, थाना असमोली को सुपुर्द कर दिया गया। इसी क्रम में ग्राम एहरोलमाफी में छापेमारी की गई, जहां एक जेसीबी मशीन और गारा बनाने वाली मशीन के माध्यम से बिना किसी विनियमन शुल्क जमा किए अवैध रूप से मिट्टी का खनन कर एक ईंट भट्ठे में आपूर्ति की जा रही थी। दोनों मशीनों को जब्त कर जेसीबी को थाना असमोली में जमा कराया गया। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने बताया कि शासन की प्राथमिकता है कि पूरे प्रदेश में कहीं भी अवैध खनन एवं परिवहन न होने पाए। जिलाधिकारी सम्भल के निदेर्शानुसार क्षेत्र में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है और अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने चेतावनी दी है कि अवैध खनन व परिवहन में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिले में खनन विभाग की टीमें लगातार सक्रिय हैं और आमजन से भी अवैध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की गई है।

भाकियू (BRSS) की बैठक में सुशील कुमार शर्मा को जिला उपाध्यक्ष संभल की सौंपी कमान

किसानों से एक जुट होने का आह्वान करते हुए किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान पर दिया जोर

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा शुक्रवार को जिला संगठन मंत्री चौधरी ऋषिपाल सिंह के नेतृत्व में ब्लॉक असमोली अंतर्गत ग्राम - नंदपुर बीटा में महेन्द्र सिंह की बैठक पर संगठन विस्तार को लेकर जन जागरण बैठक का आयोजन किया गया ! बैठक में बोलते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने किसानों से एक जुट होने का आह्वान करते हुए किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान पर जोर दिया ! साथ ही जनपद में फैले भ्रष्टाचार पर तीखा वार करते हुए कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही तमाम लाभकारी योजनाएं भ्रष्टाचार के चलते किसानों एवं आम जनमानस तक सीधे-सीधे नहीं पहुंच पा रही हैं ! तहसील पर व्यापत भ्रष्टाचार के कारण तमाम प्रमाण पत्र बनाने में किसानों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है ! किसानों की विभिन्न समस्याओं का अधिकारियों एवं कर्मचारीयों द्वारा लापरवाही व अनियमितता बरतने का काम किया जा रहा है ! वही संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि 16 दिसंबर दिन मंगलवार को ब्लॉक परिसर संभल में दोपहर 12 बजे से भ्रष्टाचार समाप्त कराने को एवं किसानों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण को लेकर एक किसान पंचायत का आयोजन किया जाएगा ! किसान भाई अपनी समस्या का समाधान कराने के लिए विभाग के नाम प्रार्थना पत्र लिखकर लाएं ! साथ ही संगठन को बढ़ावा देते हुए सुशील कुमार शर्मा को जिला उपाध्यक्ष संभल, चौधरी नेमपाल सिंह को ब्लॉक अध्यक्ष असमोली, चौधरी महेन्द्र सिंह को ब्लॉक महासचिव असमोली नियुक्त किया गया ! युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला संगठन मंत्री चौधरी ऋषिपाल सिंह, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, नेताजी राजेन्द्र सिंह , तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, वरिष्ठ कार्यकर्ता मो. हसन, महकार सिंह, सुरेन्द्र चौधरी, कमल वीर सैनी आदि लोगों उपस्थित रहे।

हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण एच ब्लॉक में इन्वेस्ट इन हापुड़ समिट 2025 का हुआ आयोजन

इन्वेस्ट इन हापुड़ समिट 2025 में 300 बिल्डर और उद्यमियों द्वारा दिए गए सुझावः- वीसी

हापुड़ (सब का सपना):- शुक्रवार को हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण एच ब्लॉक में इन्वेस्ट इन हापुड़ समिट 2025 का मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, द्वारा आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, द्वारा उत्तर प्रदेश को 2029 तक 1 ट्रिलियन इकोनामी बनाने का लक्ष्य है। इन्वेस्ट इन हापुड़ समिट 2025 का मुख्य उद्देश्य हापुड़ की इकोनामी को बेहतर बनाना और हापुड़ को विकसित एवं विकासशील बनाना है जिससे हापुड़ में रोजगार को बेहतर बनाया जा सके तथा हापुड़ को विकसित एवं विकासशील बनाया जा सके। मंत्री द्वारा इन्वेस्टर समिट में आए बिल्डर, उद्यमी, आर्किटेक्ट आदि से अपने सुझाव देने एवं शहर तथा गांव के आसपास किस तरह से विकास हो सकता है इस पर भी चर्चा की गई। उन्होंने आमंत्रित उद्यमियों को बताया कि हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण जिले में विकास के कई योजनाएं लेकर आ रहा है तथा मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी हरिपुर आवासीय योजना पर कार्य किया जा रहा है वही गढ़मुक्तेश्वर में गंगाधाम योजना पर भी कार्य किया जा रहा है इसके साथ ही आवास व कामर्शियल योजनाओं पर भी चर्चा की गई। जिले में तेजी से विकास हो इसके लिए रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। इन्वेस्टर समिट कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक सदर विजयपाल आढती, विधायक गढ़मुक्तेश्वर हरेंद्र तेवतिया, विधायक धौलाना धर्मेश तोमर, जिला अध्यक्ष भाजपा कविता माधरे, जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय, हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण वी सी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं उद्योगपति उपस्थित रहें।

संभल में यूनिवर्सल हेल्थ डे पर बच्चों ने रंगीन पोस्टरों से बांधा स्वास्थ्य का संदेश

संभल(सब का सपना):- यूनिवर्सल हेल्थ डे के अवसर पर अयाज फाउंडेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट और डॉक्टर शारिक (हड्डी रोग विशेषज्ञ) के नेतृत्व में एक अनोखा कार्यक्रम आयोजित किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने स्वास्थ्य के महत्व को दशार्ते हुए बेहद खूबसूरत पोस्टर बनाए, जिनमें रंगों की चमक के साथ जागरूकता का संदेश और एक स्वस्थ भविष्य का सपना झलक रहा था। 100 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो स्वास्थ्य को सबका अधिकार बताने वाले इस आयोजन का मुख्य आकर्षण बना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मर्चेंट नेवी ऑफिसर रेहान अशरफ रहे, जिन्होंने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के मंत्र सिखाए। उन्होंने कहा, "मेहनत और सकारात्मक सोच से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। एक अच्छा इंसान बनो, यही सबसे बड़ा सम्मान है।" डॉ. अलवीरा शारिक ने नारी शिक्षा पर जोर देते हुए कहा, "हमें विशेष रूप से लड़कियों की शिक्षा पर कार्य करना चाहिए, क्योंकि शिक्षित नारी ही समाज का आधार होती है।" डॉ. शारिक ने स्वास्थ्य दिवस के संदर्भ में महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने बताया, "मेहनत, निरंतरता और फोकस से जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। स्वास्थ्य सबका अधिकार है—चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, अमीर हो या गरीब।" इसी उद्देश्य से वे पिछले छह वर्षों से संभल में अयाज क्लीनिक पर हर जुमे को फ्री ओपीडी चला रहे हैं, जहां 100-150 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया जाता है। मुहम्मद अयाज साहब ने कहा, "ऐसे कार्यक्रम बच्चों के मनोबल को बढ़ाते हैं। हम आगे भी ऐसे आयोजन जारी रखेंगे।" पोस्टर प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा में बच्चों का उत्साह चरम पर था। प्रथम पुरस्कार उनज़िला अकरम को, द्वितीय पुरस्कार कायनात तबिंदा को और तृतीय पुरस्कार तीसरी कक्षा के मुहम्मद फाहम को मिला, जिनकी पेंटिंग ने स्वास्थ्य की वैश्विक आवश्यकता को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। इसके अलावा तीन कंसोलेशन प्राइज भी वितरित किए गए। अंग्रेजी शिक्षक मुहम्मद अहमद ने कहा, "संभल के बच्चों को आगे बढ़ने की आवश्यकता है। ऐसे आयोजन उन्हें प्रेरित करते हैं।" केंद्र के व्यवस्थापक मुहम्मद शारिक जीलानी ने जोर दिया, "संभल में ऐसे कार्यक्रम लगातार होने चाहिए, ताकि जागरूकता फैले।" फहीम कायनात ने माता-पिता की भूमिका पर बल देते हुए कहा, "बच्चों को आगे बढ़ाने में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम में डॉ. शारिक (हड्डी विशेषज्ञ), शाह फहद, फरजंद अली वारसी, उमेद वकील, शारिक जीलानी, वाइज खान, बिलाल सर, आगोश-ए-आजम, मुहम्मद अतहर, पाकीजा अनवर आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी बच्चों के लिए डॉ. शारिक द्वारा नाश्ते का भी प्रबंध किया गया, जो आयोजन की सफलता का एक और प्रमाण था। यह कार्यक्रम न केवल स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देगा, बल्कि बच्चों में रचनात्मकता और सामाजिक संवेदना को भी प्रोत्साहित करेगा। अयाज फाउंडेशन के ऐसे प्रयास संभल जैसे क्षेत्रों में एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।

शराब ठेके के कलेक्शन की लूट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

हजरतनगरगढ़ी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत हजरतनगरगढ़ी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। शराब की दुकानों से कलेक्शन लूटने के मामले में वांछित चल रहे मुख्य अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, तपन शर्मा पुत्र कालीचरन शर्मा (निवासी ग्राम रहरा, थाना रहरा, जनपद अमरोहा) ने थाना हजरतनगरगढ़ी में तहरीर दी थी कि अज्ञात लुटेरों ने शराब ठेकों से एकत्रित नकदी लूट ली है। इस संबंध में थाना हजरतनगरगढ़ी पर मुकदमा दर्ज किया गया था। 12 दिसम्बर को थाना हजरतनगरगढ़ी की पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के मुख्य अभियुक्त बोबी यादव पुत्र राजपाल यादव (निवासी शकरपुर तारनपुर, थाना कैलादेवी, जनपद सम्भल) को सम्भल-मुरादाबाद बार्डर के पास वाइट हाइट के आगे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। एस पी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा जनपद में अपराध और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को संबोधित राज्य मंत्री गुलाब देवी को सौंपा ज्ञापन

चंदोसी/संभल (सब का सपना):- चन्दौसी कोतवाली क्षेत्र में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह के निर्देशन में मंडल अध्यक्ष अरुण गोस्वामी, जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा के नेतृत्व में पत्रकारों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन संभल जिले में विधानसभा चंदौसी की विधायक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की राज्य मंत्री गुलाब देवी को ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में पत्रकारों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की मांग की। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री के नाम यह ज्ञापन ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों की समस्याओं और अधिकारों को लेकर दिया गया। पत्रकारों ने बताया कि वे संसाधनों की कमी, असुरक्षा और प्रशासनिक उपेक्षा के कारण लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा ने जानकारी दी कि प्रदेश सरकार ने पत्रकारों की सुरक्षा, मान्यता और प्रशासनिक सहयोग के संबंध में कई महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। हालांकि, इन आदेशों का जमीनी स्तर पर पालन नहीं हो रहा है, जिससे ग्रामीण पत्रकारों को न केवल समाचार संकलन में बाधाएं आती हैं, बल्कि उन्हें अनावश्यक उत्पीड़न का भी सामना करनापड़ता है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से कई मांगें उठाई गई हैं। इनमें पत्रकारों की सुरक्षा से जुड़े शासनादेशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करना, मान्यता प्रक्रिया को सरल बनाना, समाचार संकलन के दौरान होने वाली घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करना और जिला स्तर पर पत्रकारों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, राज्य स्तरीय समितियों और बैठकों में ग्रामीण पत्रकारों को उचित प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई है।ज्ञापन सौंपते समय संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे, अरुण गोस्वामी मंडल अध्यक्ष, आलोक शर्मा , महेश राघव , विनय राठौर ,नवल किशोर गुप्ता मनीष शर्मा उपस्थित रहे ।

जिलाधिकारी के निर्देशन में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं जिला विकास अधिकारी राम आशीष की अध्यक्षता में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार ने विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने कहा कि आयुष विभाग के अन्तर्गत 50 शैय्या एकीकृत आयुष चिकित्सालय , राजकीय इंटर कॉलेज शाहपुर डसर,लसकारिया, नगर विकास तथा नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन के अन्तर्गत बबराला में वाटर सप्लाई जल निगम शहरी, ग्राहक गैस संरक्षण केंद्र रोड सेफ्टी के अंतर्गत सड़के, सुरक्षात्मक कार्य एवं ऊंचे तटबंध वाले भागों में क्रैश बैरियर एवं अन्य सुरक्षात्मक कार्य लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत जिला विकास अधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि ससमय लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इसके अंतर्गत अन्य निर्माण कार्यों को लेकर भी चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं कार्यदायी संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

ओखला फेज-वन में आनंदमयी रोड पर 10 फीट गहरा गड्ढा बना मुसीबत; जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी और एमसीडी बने 'अंजान'

दक्षिणी दिल्ली। ओखला फेज-एक स्थित ईएसआईसी हॉस्पिटल के पास मां आनंदमयी मार्ग की धंसी सर्विस लेन दो महीने बाद भी नहीं बन पाई। दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी और एमसीडी से शिकायत के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। यह स्थिति पिछले दो महीने से भी अधिक समय से बना हुआ है। सड़क पर चलना मुश्किल सर्विस रोड पर 10 फीट गहराई और लगभग 15 फीट लंबाई में गड्ढा बना हुई है। यहां से गुजरने वालों में दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इतना ही नहीं सड़क धंसने से नाले का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया है और उसने पानी से उठ रही दुर्गंध लोगों को परेशान कर रही है। सुनवाई न होने पर शुक्रवार को तुगलकाबाद विधायक सहीराम पहलवान ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर समस्या से अवगत कराया है। तीनों विभाग महकमा टस से मस न हुए आस-पास के लोगों के मुताबिक, तीन-चार महीने पहले यहां सड़क थोड़ी सी धंसी हुई थी। तब यदि ध्यान दे दिया जाता तो शायद सड़क इतनी नहीं धंसती। एक महीने पहले विधायक सहीराम पहलवान भी मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के बाद उन्होंने मरम्मत के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। पर उनके निर्देश के एक पखवाड़े बाद भी दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी और एमसीडी महकमा टस से मस न हुआ। सीएम रेखा गुप्ता ने पत्र पर लिया संज्ञान मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में विधायक सहीराम पहलवान ने कहा कि कई बार निर्देशित किए जाने के बाद भी काम न होना विभागों की कार्यशैली को लेकर सवाल खड़े करता है। दिनों दिन गड्ढा खतरनाक होता जा रहा है। मार्ग से लगातार वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से समस्या दूर करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित करने की अपील की है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा: डंपर पुल से गिरा, आग लगने से ड्राइवर-क्लीनर की जिंदा जलकर मौत

नूंह : दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर नूंह के पास शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। एक डंपर पुल से नीचे गिर गया और उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना में डंपर के ड्राइवर और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों राजस्थान के रहने वाले थे। माना जा रहा है कि ड्राइवर को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ। नूंह। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे एक बड़ा हादसा हो गया। पत्थर खाली करके दिल्ली से राजस्थान जा रहा एक डंपर गूजर नंगला गांव के पास पुल नंबर-55 पर अंडरपास की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे सड़क पर जा गिरा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर दो हिस्सों में टूट गया और उसमें भीषण आग लग गई। हादसे में डंपर में सवार ड्राइवर (55 वर्ष) और क्लीनर (18 वर्ष) दोनों की मौत हो गई। दोनों राजस्थान के नीली गांव के रहने वाले थे। स्थानीय लोगों ने ड्राइवर को घायल अवस्था में बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। आग की लपटों में फंसकर क्लिनर जिंदा जल गया। बताया जा रहा है कि नींद आने के कारण यह हादसा हुआ। घटना के बाद कई घंटे तक डंपर में आग लगी रही, दमकल विभाग की गाड़ी भी काफी देर बाद मौके पर पहुंची।

दिल्ली: अल्वी नगर में डेयरी मालिक के बेटे की गोली मारकर हत्या, जांच जारी

लोनी : दिल्ली के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में बाइक सवार हमलावरों ने डेयरी मालिक के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक शिवम उर्फ लाला पर चोरी समेत पांच पुराने केस दर्ज थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस रंजिश समेत दूसरे एंगल से भी जांच कर रही है। लोनी। अंकुर विहार थाना इलाके में अल्वी नगर फातिमा मस्जिद के पास बाइक सवार हमलावरों ने डेयरी मालिक के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर बाइक से फरार हो गए। मृतक पर चोरी समेत पांच पुराने केस दर्ज थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच कर रही है। बागपत के धुंधेड़ा का रहने वाला शिवम उर्फ लाला (19) अपनी मां संजू देवी, बहन डॉली और छोटे भाई लड्डू के साथ उछ्रअंकुर विहार वॉटर प्लांट के पास रहता था। उसके पिता सुनील की दो साल पहले पैरालिसिस से मौत हो गई थी। उसकी मां संजू डेयरी फार्म चलाकर परिवार का गुजारा करती हैं। गुरुवार देर शाम शिवम फर्नीचर कारोबारी खालिद की फैक्ट्री में आफताब से मिलने गया था। बताया जा रहा है कि बाइक सवार तीन युवक आए और शिवम को गोली मार दी। दो गोलियां लगने से वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। गोलियों की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को 50 बेड वाले अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर मामले की जांच कर रही है। मृतक पर पहले भी चोरी समेत पांच केस दर्ज थे। इनमें से तीन चोरी के केस बुलंदशहर के अरनिया और खुर्जा के हैं। दो केस अंकुर विहार के हैं। पुलिस रंजिश समेत दूसरे एंगल से भी जांच कर रही है। पुलिस टीम ने मौके से सबूत इकट्ठा किए हैं और सीसीटीवी फुटेज निकलवाई जा रही है।

सड़क सुरक्षा और गौ-संरक्षण के लिए चलाया जागरूकता अभियान

गायत्री सेवा ट्रस्ट ने संस्थान को एक ई-रिक्शा उपलब्ध कराने की घोषणा की

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- नगर में स्थित श्री गौ सेवा संस्थान ने सड़क सुरक्षा और गौ-संरक्षण को लेकर आम जनता के बीच एक महत्वपूर्ण जागरूकता संदेश जारी किया। हवाई अड्डे के सामने वाली गली में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के सदस्यों ने वाहन चालकों और राहगीरों से अपील की कि सड़कों पर गौ-वंश की सुरक्षा को प्राथमिकता दें, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। संस्थान के सदस्यों ने बताया कि सड़कों पर आवारा या घायल गौ-वंश की बढ़ती संख्या न केवल पशुओं के लिए खतरा है, बल्कि मानवीय दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण भी बन रही है। उन्होंने कहा, "थोड़ी सी सतर्कता से न केवल दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है, बल्कि गौ-संरक्षण की पवित्र भावना को भी मजबूती मिलती है।" सदस्यों ने लोगों से अनुरोध किया कि वाहनों की गति धीमी रखें, गौ-वंश को सुरक्षित मार्ग प्रदान करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत गौ-रक्षा टीम को सूचित करें। इस जागरूकता

अभियान में श्री गुरु गायत्री सेवा ट्रस्ट ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। ट्रस्ट ने सामाजिक उत्थान के तहत 21,000 रुपये की आर्थिक सहायता से संस्थान को एक ई-रिक्शा उपलब्ध कराने की घोषणा की। यह ई-रिक्शा गौ-वंश के चारे को लाने-लेजाने के कार्य में सहायक सिद्ध होगा, जिससे संस्थान की गतिविधियां और प्रभावी होंगी। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि यह सहायता गौ-संरक्षण संदेश के प्रचार और सामाजिक सहयोग दोनों को बढ़ावा देने का प्रयास है। कार्यक्रम में श्री गौ सेवा संस्थान की ओर से हर्षित वार्ष्णेय, आकाशदीप बजाज, विपिन वार्ष्णेय, उमंग वार्ष्णेय और अनुराग वार्ष्णेय उपस्थित रहे। वहीं, श्री गुरु गायत्री सेवा ट्रस्ट की ओर से लवमोहन वार्ष्णेय, ब्रजेश कुमार, अनूप वार्ष्णेय, नवीन कुमार, सौरभ कुमार और कमल कुमार ने भाग लिया। यह पहल न केवल स्थानीय स्तर पर सकारात्मक संदेश देगी, बल्कि गौ-संरक्षण और सड़क सुरक्षा को एकजुट कर सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने में योगदान देगी। स्थानीय निवासियों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी जागरूकता से शहर की सड़कें सुरक्षित और पशु-हितैषी बनेंगी।

अनुराग ठाकुर की सियासी टिप्पणी से, राजनैतिक चर्चा तेज... अगला रात्रिभोज पीएम मोदी कब देने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर आयोजित विशेष रात्रिभोज ने सियासी गलियारों में नई चर्चा को जन्म दिया है। इस डिनर में भाजपा और एनडीए के सभी सांसद शामिल हुए। भाजपा नेता गुरु प्रकाश पासवान ने बताया कि रात्रिभोज का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ संवाद था। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री मोदी संवाद-प्रधान नेतृत्व में विश्वास करते हैं और इसी भावना को मजबूत करने के लिए सांसदों को एक साथ बुलाया गया।

लेकिन डिनर में शामिल वरिष्ठ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक संकेतात्मक टिप्पणी की, जिससे राजनीतिक हलचल और बढ़ गई। ठाकुर ने कहा, ÷बिहार में बंपर जीत के बाद हमें पीएम मोदी ने डिनर पर बुलाया था। अब अगला भोज बंगाल जीत के बाद दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावी तैयारी और भाजपा की रणनीति से जुड़ी मानी जा रही है।

बात दें कि रात्रिभोज के दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्वयं अधिकांश टेबलों तक जाकर सांसदों से भोजन का आग्रह करते दिखाई दिए। मेहमाननवाजी का यह अंदाज सभी सांसदों को प्रभावित कर गया। कुल 50 से अधिक टेबलें लगाई गई थीं, जिन पर 7-8 सांसद बैठे। खास बात यह रही कि हर टेबल पर भाजपा सांसदों के साथ किसी न किसी सहयोगी दल का सांसद जरूर मौजूद रहा, ताकि एनडीए में बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित हो सके।

सूत्रों के अनुसार जिस टेबल पर प्रधानमंत्री मोदी बैठे थे, वहां पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा भी मौजूद थे। दो घंटे तक चले डिनर में सांसदों ने विभिन्न राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर अनौपचारिक बातचीत की। उल्लेखनीय है कि पूरे कार्यक्रम में कोई औपचारिक भाषण नहीं हुआ—प्रधानमंत्री ने केवल संवाद और समन्वय पर जोर दिया। इससे संदेश गया कि एनडीए गठबंधन आगे और मजबूत होकर काम करेगा।

वहीं डिनर में पूरे भारत के स्वाद का समावेश था। खाने के मेन्यू में कश्मीर का कहवा, बंगाल का रसगुल्ला, पंजाब की मिस्सी रोटी, गोंगुरा पनीर, खुबानी मलाई कोफ्ता, कोथिंबीर वड़ी, सब्ज बादाम शोरबा, काकुम-मटर-अखरोट की शम्मी जैसी विशेष डिशेज शामिल थीं। विभिन्न राज्यों के व्यंजनों के सम्मिलन ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रूप से भी खास बना दिया।

दीपा सराय में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन, मिशन शक्ति 5.0 के तहत बच्ची ने काटा फीता

संभल(सब का सपना):- जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने तथा आमजन की सुरक्षा को और मजबूत करने के उद्देश्य से थाना नखासा क्षेत्र की नई पुलिस चौकी दीपा सराय का विधिवत लोकार्पण किया गया। जिलाधिकारी संभल राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार की उपस्थिति में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत स्थानीय बच्ची जुनैरा ने फीता काटकर पुलिस चौकी का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार, थानाध्यक्ष नखासा, चौकी

प्रभारी दीपा सराय सहित अन्य पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं भारी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि नई पुलिस चौकी से क्षेत्र में पुलिसिंग और सुदृढ़ होगी, अपराधियों में भय बढ़ेगा तथा महिलाओं-बच्चियों की सुरक्षा को प्राथमिकता मिलेगी। जिलाधिकारी राजेन्द्र पैंसिया ने इसे जनता की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया और पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम की सराहना की। ग्रामीणों ने नई पुलिस चौकी के शुभारंभ पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि अब उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण होगा और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और मजबूत होगी।

विभिन्न विभागों के इंडीकेटर के संबंध में समीक्षा बैठक की गयी आयोजित

जिन अधिकारियों की प्रगति सही नहीं है उनको कारण बताओं नोटिस किया जाए जारी:-मुख्य विकास अधिकारी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में नीति आयोग आकांक्षात्मक विकासखण्ड से संबंधित विभिन्न विभागों के इंडीकेटर के संबंध में समीक्षा बैठक की गयी। बैठक के अन्तर्गत बेसिक शिक्षा विभाग,आईसीडीएस विभाग के इंडीकेटर पर चर्चा की गयी। स्वास्थ्य विभाग के इंडीकेटर्स पर चर्चा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा आयुष्मान गोल्डन कार्ड, तथा संस्थागत प्रसव को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि डेटा को चेक किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी ग्राम में माह में दो बार भ्रमण करें तथा इंडीकेटर्स को संतृप्त कराएं। कृषि विभाग के इंडीकेटर्स पर चर्चा की गयी, एफ पी ओ के गठन तथा एफ पीओ को शासन द्वारा दी जाने वाली

सब्सिडी तथा एफपीओ की पात्रता की शर्तों पर चर्चा की गयी। पीएम किसान सम्मान निधि के विषय में भी बताया गया। पशुधन विभाग के अन्तर्गत पशु टीकाकरण पर चर्चा की, पंचायती राज विभाग के अन्तर्गत ओडीएफ प्लस ग्राम तथा ठोस एवं गीला कचरा उठान , साफ सफाई आदि पर चर्चा की गयी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के इंडीकेटर्स पर भी वार्ता की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जिन अधिकारियों की प्रगति सही नहीं है उनको कारण बताओं नोटिस जारी किया जाए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष ,अपर मुख्य चिकित्साधिकारी विश्वास अग्रवाल, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला पंचायत अधिकारी आशीष सिंह सहित समस्त नामित नोडल अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्लीवालों को एक और तोहफा, मेट्रो के नए प्रोजेक्ट का काम शुरू 8 स्टेशनों का होगा कॉरिडोर

नई दिल्ली : दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (उ्टफ्छ) ने फेजड्ड्क्ष् के साकेत जी ब्लॉकड्ड्लाजपत नगर कॉरिडोर पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर में 8 स्टेशन होंगे। यह एलिवेटेड कॉरिडोर दक्षिण दिल्ली में कनेक्टिविटी को बेहतर करेगा। इस कॉरिडोर से ग्रेटर कैलाशड्ड1, साकेत, ग्रेटर कैलाश और पुष्प विहार जैसे क्षेत्र लाभान्वित होंगे। लाजपत नगर वायलेट और पिंक लाइनों का एक इंटरचेंज हब बनेगा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (उ्टफ्छ) ने आज फेजड्ड्क्ष् के साकेत जी ब्लॉकड्ड्लाजपत नगर कॉरिडोर पर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। यह फेजड्ड्क्ष् की प्राथमिक कॉरिडोरों के बाद का पहला नया खंड है, जहां भौतिक कार्य की शुरूआत की गई है। लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर (गोल्डन लाइनड्ड11) पर प्रथम टेस्ट पाइल एवं भूमिपूजन समारोह आज साकेत के समीप पुष्पा भवन के पास आयोजित किया गया, जो दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के विस्तार में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। इस अवसर पर डॉ. विकास कुमार, प्रबंध निदेशक, डीएमआरसी तथा डीएमआरसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उनके साथ इस खंड के कॉन्ट्रैक्टररेल विकास निगम लिमिटेड (फ्श्ठछ) के अधिकारी भी समारोह में शामिल हुए।लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर एक एलिवेटेड कॉरिडोर होगा जिसमें कुल 08 मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे- लाजपत नगर, एंड्रूज गंज, जीकेड्ड1, चिराग दिल्ली, पुष्पा भवन, साकेत डिस्ट्रिक्ट सेंटर, पुष्प विहार तथा साकेत जी ब्लॉक। गोल्डन लाइन कॉरिडोर दक्षिण दिल्ली में एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसे कनेक्टिविटी बढ़ाने और मौजूदा मेट्रो लाइनों के साथ सहज एकीकरण प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है। प्रथम टेस्ट पाइल इस नए मेट्रो कॉरिडोर के लिए प्रमुख सिविल कार्यों की शुरूआत का प्रतीक है।

दिल्ली में 11 की जगह 13 जिले बनाने से क्या बदलेगा? CM रेखा गुप्ता ने बताया- क्यों पड़ी इसकी जरूरत?

नई दिल्ली : दिल्ली में अब 11 की जगह 13 जिले होंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि इसकी जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने जिले बढ़ाने के पीछे के कारणों पर प्रकाश डाला। इस कदम से दिल्ली के प्रशासनिक ढांचे में सुधार और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य है कि नए जिलों के बनने से विकास कार्यों को गति मिलेगी। नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्रशासनिक कार्यों को अधिक कुशल, सुगम और नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में एक नया निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में दिल्ली के मौजूदा 11 राजस्व जिलों का पुनर्गठन करते हुए 13 नए राजस्व जिलों के गठन को मंजूरी प्रदान की गई। यह निर्णय शासन को सरल, पारदर्शी और समन्वित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार माना जा रहा है। जिलों की संख्या बदलने के साथ ही सरकार ने एसडीएम की संख्या 33 से बढ़ाकर

39 कर दी है। वहीं एसडीएम कार्यालयों की संख्या 22 से बढ़ाकर 39 कर दी है। सभी 13 जिलों में एक स्थान पर सभी सार्वजनिक सेवाओं के लिए मिनी सचिवालय बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। 15 दिनों के भीतर कैबिनेट के फैसले पर अधिसूचना जारी होगी। इसी माह के अंत तक नई व्यवस्था को लागू कर दिया जाएगा। इस बदलाव पर प्रारंभिक बजट के तौर पर चालू वित्तीय वर्ष में 25 करोड़ रुपये की स्वीकृति दे दी गई है। माना जा रहा है कि यह सुधार लोगों के जीवन की सुगमता में सुधार करेगा, काम में तेजी आएगी और भूमि रिकॉर्ड, संपत्ति पंजीकरण, नागरिक सेवाओं और शिकायत निवारण में निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि दिल्ली के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत बनाने का यह निर्णय वर्षों से लंबित था, जिसे किसी भी सरकार ने निपटाने का प्रयास नहीं किया। हमारी सरकार ने मात्र 10 माह में इस लक्ष्य को पूरा कर दिखाया। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन के विजन को धरातल पर उतारने का एक सशक्त उदाहरण है। राजस्व जिलों और नगर निगम की सीमाएं अब एक जैसी होंगी कैबिनेट के फैसले के अनुसार लंबे समय से दिल्ली के राजस्व जिलों की सीमाएं नगर निगम जोन, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली छावनी बोर्ड की सीमाओं से मेल नहीं खाती थीं। इससे सेवा वितरण में देरी, शिकायतों में भ्रम, भूमि रिकार्ड प्रबंधन में कठिनाई और विभिन्न विभागों के क्षेत्रों में असमानता जैसी समस्याएं लगातार उत्पन्न होती थीं। अब यह समस्या दूर होगी। 13 जिले और 39 सब-डिविजन, सभी जिलों में मिनी सचिवालय नए गठन के तहत 11 जिलों को बढ़ाकर 13 और 33 सब-डिविजन को बढ़ाकर 39 सब-डिविजन किया गया है। इससे अधिकारियों पर कार्यभार संतुलित होगा और नागरिकों को सेवाएं अधिक त्वरित जल्दी मिलेंगी। दिल्ली सरकार सभी 13 जिलों में आधुनिक, बहु-विभागीय ह्यमिनी सचिवालयह्ल स्थापित करेगी, जहां नागरिकों को एक ही स्थान पर राजस्व कार्यालय, एसडीएम, एडीएम, तहसील, उप-पंजीयक कार्यालय समेत अनेक सेवाएं उपलब्ध होंगी। पुरानी दिल्ली व मध्य उत्तरी जिला के नाम से दो नए जिले बने हैं। सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों की संख्या 22 से बढ़कर 39 हुई संपत्ति पंजीकरण को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों की संख्या 22 से बढ़ाकर 39 की जा रही है। इन कार्यालयों की सीमाओं को भी सब-डिविजन के साथ पूरी तरह से मेल कराया जाएगा। इससे भूमि रिकार्ड प्रबंधन और डिजिटलीकरण में तेजी आएगी। नागरिकों को दूर-दूर जाकर पंजीकरण नहीं कराना पड़ेगा। नए जिलों से नागरिकों को होगा ये लाभ सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी प्रशासन नागरिकों के और करीब आएगा शिकायत निवारण तेज होगा अधिकारियों पर भार कम होगा सीमाओं का भ्रम समाप्त होगा नागरिकों को स्पष्ट रहेगा कि वे किस प्रशासनिक क्षेत्र में आते हैं राजस्व विभाग, नगर निगम और अन्य एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनेगा शहरी योजना, आपदा प्रबंधन और भूमि रिकार्ड प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा

हरियाणा में इस भाजपा नेत्री को मारने की धमकी, सीएम नायाब सैनी को पत्र लिखकर मांगी सुरक्षा

नूंहः फिरोजपुर झिरका विधानसभा क्षेत्र से भाजपा मंडल अध्यक्ष निशा सैनी को जान से मारने की धमकियां मिल रही है। लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर अब भाजपा नेत्री ने सीएम नायब सैनी से सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं निशा सैनी ने एक लिखित शिकायत नूंह पुलिस अधीक्षक को देकर कार्रवाई की मांग की है। फिरोजपुर झिरका डीएसपी अजायब सिंह ने कहा कि शिकायत मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आते है, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को दी शिकायत में निशा सैनी ने बताया कि 1 दिसंबर 2025 को वे किसी कार्यवश नूंह स्थित भाजपा कार्यालय गई थी। उसी सुबह घर से निकलते समय भादस के निकट एक स्कॉर्पियो गाड़ी ने उनका पीछा किया, जिसका नंबर एचआर 26 ईटी 9856 था। शाम लगभग 7:30 बजे वही स्कॉर्पियो फिर उनके पीछे लगी और बस स्टैंड फिरोजपुर झिरका तक पीछा करती रही। भाजपा मंडल अध्यक्ष ने बताया कि इससे पहले 15 मई 2024 को उन्हें फोन पर धमकी दी

गई थी। साथ ही बड़कली चौक पर दो अज्ञात बाइक सवारों ने चेहरा ढककर उन्हें चेतावनी दी थी कि वे भाजपा का प्रचार बंद कर दें।निशा सैनी ने कांग्रेस विधायक मामन खान पर आरोप लगाते हुए बताया कि हाल ही में गांव नांगल मुबारक पुर से जुड़े एक मामले में उन्होंने भाजपा कार्यकर्ता का समर्थन किया, जिसकी शिकायत के बाद सीएम विंडो पर कार्रवाई हुई, जिसके चलते कांग्रेस के समर्थकों में उनके प्रति हीन भावना देखी गई। जिसके बाद से ही कांग्रेस विधायक मामन खान द्वारा उन्हें लगातार निशाना बनाया जा रहा है। आरोप है विधायक मामन खान ने निशा सैनी के जेठ को फोन किया और निशा सैनी से बात कराने के लिए कहा गया। निशा सैनी ने कहा कि वह लगातार लोगों को भाजपा पार्टी से जोड़ रही है, जो कांग्रेस नेताओं को रास नहीं आ रहा है। मामले को लेकर कांग्रेस विधायक मामन खान ने कहा कि उन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। उनकी कभी निशा सैनी से कोई बात नहीं हुई। हालांकि विधायक ने कहा कि नागल मुबारक पुर में कुछ लोगों में आपसी झगड़ा चल रहा है। उसको लेकर निशा सैनी और झगड़ा करने वाले लोगों की तकरार चल रही है। उससे मुझे जोड़ा जा रहा है, जबकि मेरा कोई मतलब नहीं है। मेरे ऊपर लगाए आरोप निराधार व बेबुनियाद है।

39 जूते मारने का मामलाः पूर्व आईपीएस ने कहा- मेरा बयान गलत पेश किया, फिर भी माफी मांगता हूं

चंडीगढ़ : इनेलो प्रमुख अभय चौटाला के विवादित 39 जूते वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सेवानिवृत्त आईपीएस आरएस यादव अब सार्वजनिक रूप से माफी मांगते नजर आए। जारी वीडियो संदेश में उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनकी बात को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनका किसी को आहत करने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विवाद को खत्म करना चाहते हैं, इसलिए दिल से माफी मांगते हैं। उधर, आरएस यादव की पत्नी और पूर्व जज अनुपमा यादव ने अभय चौटाला की टिप्पणी को अपमानजनक बताते हुए कहा कि वह इस मामले में उनके खिलाफ मानहानि का दावा दायर करेंगी। उनका कहना है कि

अनावश्यक टिप्पणी से उनकी परिवारिक और सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। अपने संदेश में आरएस यादव ने दोहराया कि उनके शब्दों की गलत व्याख्या की गई। उनका न तो किसी तरह का राजनीतिक उद्देश्य था और न ही चौटाला को बदनाम करने की मंशा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जूते जैसा शब्द भी अनजाने में निकल गया, जिसे बाद में बढ़ा-चढ़ाकर विवाद का रूप दे दिया गया। उन्होंने अभय चौटाला के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि वे हमेशा उनके उज्ज्वल भविष्य और जनता के लिए बेहतर कार्य करने की कामना करते हैं। बता दें कि यह मामला हरियाणा के पूर्व आईपीएस अधिकारी राम सिंह यादव से जुड़ा एक हालिया विवाद है। एक इंटरव्यू में उन्होनें दावा किया था कि उन्हें 22 साल पहले एक घटना के दौरान कथित तौर पर अभय चौटाला ने 39 जूते मारे थे। हालाँकि, बाद में पूर्व आईपीएस अधिकारी ने अपने बयान से यू-टर्न लेते हुए माफी मांग ली और इन आरोपों से इनकार कर दिया।

रसोली के साथ महिला का गर्भाशय भी निकाल दिया, कोर्ट ने ठोका भारी जुर्माना

यमुनानगर : उपभोक्ता फोरम ने चिकित्सा लापरवाही के एक मामले में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित सिटी अस्पताल पर सख्त कार्रवाई करते हुए आर्थिक दंड लगाया है। फोरम ने अस्पताल को मरीज को मानसिक प्रताड़ना के लिए 11 हजार रुपये तथा इलाज पर आए 3 लाख रुपये लौटाने के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, यह मामला मॉडल टाउन करेहड़ा की मोनिया का है। पीड़ित मोनिया की याचिका के अनुसार, उन्हें लंबे समय से पेट में तेज दर्द की शिकायत थी। कई जांचों और डॉक्टरों की सलाह के बाद उनके पेट में रसोली होने की पुष्टि हुई। जनवरी 2023 में वह इलाज के लिए अपने पति के साथ सिटी अस्पताल पहुंचीं, जहां कई टेस्ट और अल्ट्रासाउंड किए गए। अप्रैल से मई 2023 तक लगातार उपचार के बाद अस्पताल ने सर्जरी की, जिसमें करीब 80 हजार रुपये खर्च हुए।

रसोली के साथ गर्भाश्य भी निकाल दिया

सर्जरी के बाद मोनिया को तकलीफ कम होने के बजाए ज्यादा होने लगीं। दोबारा जांच कराई तो पता चला कि रसोली के साथ उनका गर्भाशय भी निकाल दिया गया था। गर्भाश्य निकालने की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई सहमति ली गई। इस मामले में जब अस्पताल प्रबंधन से जवाब मांगा तो उन्होनें रिकॉर्ड नहीं दिखा और उनकी शिकायत को अनसुना कर दिया। फोरम ने दिए मुआवजे के निर्देश

इसके बाद मोनिया का यह मामला उपभोक्ता फोरम में पहुंचा। फोरम ने अस्पताल की ओर से गंभीर लापरवाही मानते हुए मरीज को मुआवजा देने का निर्देश दिया है। वहीं अस्पताल प्रबंधन से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

डिलीवरी के बाद दुष्कर्म पीड़िता की मौत, रात को नवजात ने तोड़ा था दम

हिसार : जिले के एक गांव की रहने वाली 18 साल की दुष्कर्म पीड़िता की शहर के एक निजी अस्पताल में वीरवार सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई। बुधवार रात को उसकी नवजात बच्ची ने दम तोड़ा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल लेकर आई। पुलिस ने पीड़िता के स्वजनों की शिकायत पर नवंबर माह में अज्ञात के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नागरिक

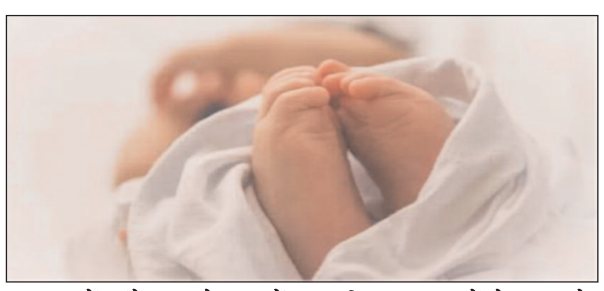

अस्पताल में पहुंचे मृतका के स्वजनों ने बताया कि एक साल से बेटी ने पढ़ाई छोड़ रखी है। वह घर पर ही रहती थी। नवंबर माह में उसकी तबीयत खराब हुई तो उसे शहर के नागरिक अस्पताल में लेकर गए थे। यहां पर चिकित्सकों ने बताया कि वह सात माह की गर्भवती है। उसके बाद उसका उपचार शुरू करवाया। पता चलने पर पुलिस में आरोपित के खिलाफ शिकायत दी। तीस नवंबर को उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी। उसके बाद बेटी को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया था। तीन दिसंबर को बेटी ने एक बच्ची को जन्म दिया। बुधवार रात को नवजात बच्ची की मौत हो गई। वीरवार सुबह बेटी की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। बेटी से कई बार पूछा था कि तेरे साथ गलत काम किसने किया, लेकिन बेटी ने इस बारे में कुछ नहीं बताया। पुलिस का कहना है कि दुष्कर्म मामले की जांच की जा रही है।

अनिल विज ने पुलिस अधिकारी को किया सस्पेंड, बोले- छूटने वालों का इलाज अगली मीटिंग में कर दूंगा

कैथल : कैथल में शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री अनिल विज की अध्यक्षता में कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में शिकायतकर्ता पहुंचे और अपनी समस्याएं रखीं। एक मामले में जांच अधिकारी द्वारा जांच में लापरवाही बरतने पर मंत्री विज ने सख्त रुख अपनाया और संबंधित पुलिस अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। पत्रकारों से बातचीत में अनिल विज ने बताया कि बैठक में कई शिकायतें आईं, जिनमें से अधिकांश का समाधान बैठक के दौरान ही कर दिया गया। उन्होंने कहा कि समिति की कार्यप्रणाली के अनुसार केवल उन्हीं मामलों की सुनवाई होती है, जो पूर्व निर्धारित सूची में शामिल हैं। अन्य शिकायतकर्ता अपनी शिकायत उपायुक्त को सौंपें, जिन्हें उचित पाए जाने पर अगले सत्र की बैठक में शामिल किया जा सकता है। विज ने कहा, जो मामले आज छूट गए, उनका इलाज मैं अगली बैठक में कर दूंगा। वीआईपी नंबर मामले में जांच जारी वाहन के वीआईपी नंबर को लेकर पूछे गए प्रश्न पर विज ने कहा कि जांच केवल उस व्यक्ति की हो रही है जिसने 1 करोड़ 17 लाख रुपये का नंबर खरीदा था, लेकिन बाद में राशि का भुगतान नहीं किया। अब उसकी संपत्ति की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह इतना महंगा नंबर लेने में सक्षम था या नहीं।

बस इतनी से बात पर 2 पक्षों में चलीं गोलियां, 2 गिरफ्तार... पुलिस कर रही मामले की जांच

जींदः जवाहर नगर में बिजली का पोल लगाने को लेकर 2 पक्षों में विवाद हो गया। इस विवाद में दोनों पक्षों में दहशत फैलाने के लिए पिस्तौल से फायर भी किए गए। हालांकि इस घटना में किसी को गोली नहीं लगी। इस मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस ने 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर 2 मुख्य आरोपियों सुरेंद्र व रामनिवास निवासीगण जवाहर नगर को हथियार सहित गिरफ्तार गिरफ्तार किए गए 2 किया है। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में शिकायत दी है। इस मामले की सूचना पाकर उपनिरीक्षक राममेहर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान सी.सी.टी.वी. की फुटेज भी

चैक की गई जिसमें सुरेंद्र व रामनिवास को एक आरोपी व बरामद हथियार। दूसरे पर फायर करते हुए पाया गया। इस झगड़े में घायल हुए सूबे सिंह को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल जींद भेजा गया। जानकारी अनुसार जवाहर नगर निवासी सूबे सिंह और उसके पड़ोसी रामनिवास के बीच बिजली का पोल लगाने को लेकर बुधवार को झगड़ा हो गया। इस विवाद में सूबे सिंह को चोट आई जिसे इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में दौरान लाइसेंसी पिस्तौल से भर्ती करवाया गया। इस फायर भी किए गए। सूबे सिंह ने आरोप लगाया कि रामनिवास और उसके साथी गाड़ी में सवार होकर आए तथा उस पर फायरिंग कर दी। वहीं दूसरे पक्ष का आरोप है कि सूबे पक्ष के लोगों ने उन पर फायरिंग की है।

पुलिस ने मात्र 24 घंटे में सुलझाई ये गुत्थी, घर में चोर ने किया था बड़ा कांड

सिरसा(सतनाम): जिला की सिविल लाइन थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शहर के गोबिंद नगर क्षेत्र में स्थित एक घर से सोना-चांदी के आभूषण व नगदी चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले युवक को पुलिस ने मात्र 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया है । इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए डीएसपी संजीव बल्हारा ने बताया कि गोबिंद नगर निवासी हरमीत सिंह पुत्र कुलदीप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 9 दिसंबर 2025 को वह दोपहर के समय किसी काम के सिलसिले में घर को ताला लगाकर घर से बाहर गया हुआ था । पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि करीब डेढ़ बजे वासप घर आकर देखा तो घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ मिला और जब मैने घर में प्रवेश करके देखा तो घर का सारा समान बिखरा हुआ मिला । पीड़ित व्यक्ति ने बतलाया कि घर में रखी अलमारी वगैरा चैक की तो उसमें से 25 तोले सोने के आभूषण, 3 अंगुठी डायमंड, 3 जोड़ी चांदी की पाजेब, 50 हजार रुपए की नगद राशि किसी अज्ञात युवकों द्वारा चोरी करना पाया गया । पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि उक्त आभूषणों की कीमत करीब 35 लाख रुपए है । उन्होंने बताया कि बताया कि पीड़ित व्यक्ति की शिकायत के आधार पर सिविल

लाइन थाना सिरसा में अज्ञात युवको के खिलाफ सोना,चांदी के आभूषण व नगदी चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई । जांच के दौरान एबीवीटी स्टाफ सिरसा की एक पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अमर सिंह उर्फ पीके पुत्र रणजीत सिंह निवासी मोचियांवाली गली थैहड़ मोहल्ला सिरसा को थैहड़ मौहल्ला सिरसा से गिरफ्तार कर लिया है ।

डीएसपी संजीव बल्हारा ने बताया कि आरोपी अमर सिंह उर्फ पीके से पूछताछ कर उसकी निशानदेही पर सोने- चांदी के आभूषण व कुछ नगदी भी बरामद कर ली है । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी ने पूछताछ के दौरान शहर सिरसा में चोरी की तीन अन्य वारदात करनी भी कबूल की है,गिरफ्तार किए गए आरोपी का अपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है,पूछताछ के दौरान चोरी की अन्य वारदातों का खुल्लासा होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता । उन्होने बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी नशा करने का आदि है,और नशे की पूर्ति के लिए अक्सर चोरी की वारदात को अंजाम देता है । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया है, रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी ।

खबर एक्सप्रेस

डेयरी में दूध लेने गई थी मासूस, तभी रोते हुए लौटी घर वापिस

बराड़ा : साहा के गांव बिहटा से एक नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गांव बिहटा निवासी गजेन्द्र चौहान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें बड़ी बेटी की उम्र 12 वर्ष है। उन्होंने कहा कि उनके पड़ोस में एक दूध की डेयरी है, जहां उनकी बेटी दूध लेने गई थी। शिकायत के अनुसार जैसे ही बच्ची दूध डलवाने लगी, डेयरी पर काम करने वाला व्यक्ति रामतेज ने उसके साथ गलत हरकत की। अचानक हुई इस हरकत से बच्ची घबरा गई और रोने लगी। बच्ची रोती हुई घर पहुंची और उसने अपनी मां व अन्य परिजनों को पूरी घटना बताई। साहा थाना प्रभारी कर्मवीर सैनी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसे अब कोर्ट में पेश किया जा रहा है।जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया जायेगा।

सोनीपत में जुडियों के शोरूम में अचानक लगा आग, कर्मचारी और अन्य ने बाहर भाग बचाई जान

सोनीपत : सोनीपत के एटलस रोड पर स्थित जुडियों नाम के शोरूम में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई।आग लगने से ग्राउंड फ्लोर पर आग लगी थी।सूचना के बाद फायर विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार एटलस रोड पर स्थित जुडियों में आज उस समय हड़कंप मच गया जब कपड़ा शोरूम में अचानक आग लग गई।आग लगने के बाद शोरूम में मौजूद कर्मचारी और अन्य ने बाहर भागे और जान बचाई ,शोरूम के ग्राउंड फ्लोर में कपड़ों में आग लगी थी और आग से आर्थिक नुकसान हुआ है। आग में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है।शोरूम कर्मचारी ने बताया कि अचानक आग लग गई थी। आग लगने से कपड़े जले हैं और सभी सुरक्षित है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष के फार्महाउस पर चला निगम का पिला पंजा, दिवान बोले- राजनीति की वजह से कार्रवाई की गई

सोनीपत : सोनीपत में नगर निगम की कार्रवाई को लेकर शुक्रवार को हंगामा देखने को मिला। कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान के दीवान फार्म हाउस की एक दीवार को निगम टीम ने अवैध निर्माण बताते हुए तोड़ दिया। इस तोड़फोड़ को लेकर अधिकारियों और कांग्रेस समर्थकों में गहमागहमी नजर आई। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, सुल्तानपुर माजरा की ओर बनी दीवार के संबंध में कई बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अधिकारियों ने बताया कि उन्हीं नोटिसों के आधार पर सोमवार को दीवार का एक हिस्सा गिराया गया, जबकि बाकी हिस्से के लिए भी नोटिस जारी किए जा चुके हैं। कार्रवाई के दौरान संभावित विवाद को रोकने के लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। मौके पर पहुंचे जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने कहा कि यह उनकी पुश्तैनी जगह है, जो लंबे समय से बनी हुई है। दिवान ने आरोप लगाया कि निगम की यह कार्रवाई पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। उनके अनुसार, चुनावी माहौल को देखते हुए बिना किसी पूर्व सूचना के दीवार गिराई गई है। दिवान ने दावा किया कि फार्म हाउस कई दशकों से मौजूद है और अब अचानक इसे अवैध बताना गलत है।

सिंचाई विभाग के ऑफिस पर सीएम फ्लाइंग की रेड, कई कर्मचारी ड्यूटी से नदारद, भारी अनिमियतता मिली

गोहाना : गोहाना में सिंचाई विभाग के कार्यालय में शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे सीएम फ्लाइंग की टीम ने अचानक रेड मारी। टीम को शिकायत मिली थी कि विभाग में कर्मचारी समय पर दफ्तर नहीं पहुंचते और हाजिरी रजिस्टरों में अनियमितताएँ पाई जा रही हैं। शिकायत की पुष्टि के लिए टीम ने मौके पर पहुंचकर रिकॉर्ड की जांच की। जांच के दौरान विभाग के 2 अलग-अलग सेल में भारी लापरवाही पाई गई। पहले सेल में कुल 39 कर्मचारियों में से 20 कर्मचारी ड्यूटी से गैरहाजिर, 18 ड्यूटी पर मिले, जबकि एक कर्मचारी छुट्टी पर पाया गया। वहीं निर्माण सेल में 15 कर्मचारी ड्यूटी से अनुपस्थित, 5 कर्मचारी छुट्टी पर, और 13 कर्मचारी ड्यूटी पर मिले।सीएम फ्लाइंग इंचार्ज बिजेंद्र सिंह ने बताया कि कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर कई दिनों से शिकायतें मिल रही थीं। इसी आधार पर टीम ने आज रेड की। जांच में सामने आया कि विभाग में अलगझ्र अलग हाजिरी रजिस्टर रखे गए हैं, जबकि नियमों के अनुसार केवल एक ही रजिस्टर होना चाहिए। इसके अलावा साइट पर जाने वाले कर्मचारियों की आने जाने की कोई एंट्री दर्ज नहीं थी। टीम ने सभी रिकॉर्ड की जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर ली है और आगामी कार्रवाई के लिए विभाग को भेजी जाएगी।

हे भगवान ! हरियाणा में बच्चे ने खुद ही रची अपहरण की झूठी कहानी, परिवार को फोन कर मांगी थी 2 लाख की फिरौती

करनाल : करनाल के घीड़ गांव से हैरान करने वाला मामला सामने आया है जहां नौवीं कक्षा के छात्र ने खुद के किडनैप होने की झूठी कहानी रच डाली। जिसके बाद परिवार को चिंता में डाल दिया। इतना ही नहीं शाम को किसी का फोन लेकर अपने पिता को कॉल करवाई और दो लाख रुपये की फिरौती मांगी। मामले की शिकायत कुंजपुरा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने भी गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज करके बच्चे की तलाश शुरू कर दी। वहीं साइबर सेल की मदद से कुंजपुरा थाना पुलिस ने रात को बच्चे को करनाल के नजदीक से बरामद कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि बच्चा 15 दिन से स्कूल नहीं जा रहा था, जिस कारण उसने यह साजिश रची थी। बच्चे के ताऊ ने बताया कि बच्चा बुधवार सुबह स्कूल गया था। लेकिन दोपहर को खाना खाने घर नहीं आया। स्कूल से अध्यापकों ने घर सूचना दी कि बच्चा 15 दिनों से स्कूल नहीं आ रहा है। इस पर परिजनों ने बच्चे की तलाश की। लेकिन बच्चे का कुछ पता नहीं चला। दोपहर को छुट्टी के समय भी बच्चा घर नहीं लौटा तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। परिजनों ने मंदिर में बच्चे के गुम होने की घोषणा करवा दी। शाम को करीब छह बजे एक अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने कहा कि लड़का उनके पास है, दो लाख रुपये तैयार रखना। इसके बाद कॉल करने वाले ने फोन काट दिया। इसके बाद परिवार ने मान लिया कि बच्चे का सच में अपहरण हो गया है। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने साइबर की सहायता से दो घंटे बाद ही बच्चे को सकुशल बरामद करके परिजनों को सौंप दिया। पूछताछ में सामने आया कि बच्चे ने किसी व्यक्ति का फोन मांगकर खुद अपने पिता को फिरौती के लिए फोन किया था।

अंडर 19 एशिया कप में रविवार को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

वैभव पर रहेंगी नजरें, हाथ नहीं मिलने को लेकर जारी गतिरोध टूटेगा !

दुबई (एजेंसी)। अंडर 19 एशिया कप क्रिकेट में रविवार को होने वाली भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर प्रशंसकों में उत्साह चरम पर है। इस मैच में सभी की नजरें वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव ने जिस प्रकार यूएई के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे तय है कि वह पाक के खिलाफ भी उसी अंदाज में उतरेंगे। विश्वकप में ये देखना होगा कि भारतीय टीम के खिलाड़ी पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं या नहीं।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टीम का इस मैच में हाथ मिलाने से नहीं रोकेगी। इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अंडर-19 स्तर पर खेलभावना को मजबूत करने पर उसका ध्यान रहेगा।

वहीं आईसीसी ने कहा है कि अगर भारतीय खिलाड़ी हाथ नहीं मिलाते, तो इसकी जानकारी पहले से मैच रेफरी को देनी होगी।

आईसीसी का प्रयास है कि जूनियर क्रिकेट में सही संदेश जाए और किसी प्रकार का विवाद खड़ा ना हो। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें, ग्रुप एक से सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि अन्य टीमें मलेशिया और काफी कमजोर हैं। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि वैभव सूर्यवंशी अच्छी फॉर्म में हैं। वहीं कप्तान आयुष म्हात्रे ने हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। म्हात्रे ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वहीं वैभव ने सबसे कम उम्र में शतक लगाया था। इस प्रकार के इनके प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

अंडर-19 एशिया कप की टीमें

ग्रुप एः भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, यूएई

ग्रुप बीः बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, नेपाल

भारतीय टीमः आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उप-कप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह (फिटनेस के अधीन), उधव मोहन और एरॉन जॉज.'

स्टैंडबाय खिलाड़ीः राहुल कुमार, जे हेमचूडेशन, बीके किशोर और आदित्य रावत।

मुश्ताक अली ट्रॉफी : नीतीश की हैट्रिक बेकार गयी, मध्य प्रदेश ने आंध्र को हराया

पुणे (एजेंसी)। मध्य प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग स्टेज के अपने पहले मैच में आंध्र प्रदेश को चार विकेट से हरा दिया। इस मैच में आंध्र के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने हैट्रिक लगायी पर इसके बाद भी वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। मध्य प्रदेश ने इस मैच में खराब शुरुआत से उबरकर 113 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। रेड्डी ने तीसरे ओवर में हर्ष गवली, हरप्रीत भाटिया और रजत पाटीदार के विकेट लिए।

वेंकटेश अय्यर के आउट होने के तुरंत बाद मध्य प्रदेश का स्कोर चार विकेट पर 37 रन हो गया। ऐसे में आंध्र की जीत की उम्मीदें बनीं पर ऋषभ चौहान और राहुल बाथम ने पांचवें विकेट के लिए 73 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संभाल लिया। चौहान ने 43 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 47 रन बनाए जबकि बाथम 32 गेंदों पर 35 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे मध्य प्रदेश ने 15 गेंद बाकी रहते जीत हासिल करने के साथ ही चार जरूरी अंक प्राप्त किये।

वहीं इससे पहले रेड्डी ने विकेटकीपर-बल्लेबाज केएस भरत के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन बनाये। भरत ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए जिससे आंध्र की टीम 19.1 ओवर में 112 रन तक पहुंची। मध्य प्रदेश की ओर से शिवम शुक्ला ने 4 जबकि त्रिपुरेश सिंह ने 3 विकेट लिए। वहीं बाथम ने 2 खिलाड़ियों को आउट किया।

सूर्यकुमार ने हार की जिम्मेदारी ली, अक्षर को पहले भेजे जाने के फैसला का भी बचाव किया

मुल्लांपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में हार पर निराशा जताते हुए इसकी जिम्मेदारी ली है। सूर्यकुमार ने कहा कि उन्हें इस मैच में जिम्मेदारी लेनी थी पर वह उसमें सफल नहीं हो पाये। इस मैच में भारतीय टीम 214 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी थी। इस मैच में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजने के फैसले का भी सूर्या ने बचाव करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय में उसने शुरआत में उतारने पर बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसको देखते हुए उसे इस बार अवसर दिया गया। अक्षर को पहले भेजने के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर भी सवाल उठे थे। सूर्यकुमार ने कहा कि अक्षर ने एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में अच्छी बल्लेबाजी की है हालांकि वह इस मैच में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। कप्तान ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए आगामी मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की बात कही।

सूर्यकुमार ने कहा, हमने पहले गेंदबाजी करके भी गलती की जबकि हमें बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर कहा कि टीम को इससे सीखने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि हमें दूसरी योजना भी लेकर चलनी चाहिये थी पर हमने ऐसा नहीं किया। हमने दूसरी पारी में विरोधी टीम की गेंदबाजी देखकर सबक लिया है। अब हम अगले मैच में उसी के अनुसार गेंदबाजी करना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने कहा, हम हर मैच में अभिषेक शर्मा पर आधारित नहीं रह सकते। मुझे और शुभमन गिल को अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर हम ऐसा नहीं कर पाये। शुभमन पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। इसके बाद मुझे लंबी पारी खेलते हुए मैच आगे ले जाना चाहिये था पर मैं ऐसा नहीं कर पाया।

डिकॉक का अर्धशतक, भारत को 51 रन से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला 1-1 से बराबर की

मुल्लांपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बृहस्पतिवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 51 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। अब तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा।

पहले मैच में महज 74 रन पर आउट होने वाली दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 213 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया जिसमें डिकॉक की 46 गेंद की पारी में सात छक्के और पांच चौके जड़े थे। डिकॉक ने कप्तान एडन मारक्रम (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 83 रन की भागीदारी निभाई।

डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन और डेविड मिलर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। भारत ने पारी में 16 वाइड गेंद डाली और 22 अंतिरिक्त रन दिए जबकि दक्षिण अफ्रीका ने केवल

पांच अतिरिक्त रन दिए। इस तरह भारत ने अंतिम 10 ओवर में 123 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरूआत काफी खराब रही जिससे टीम उबर नहीं सकी और तिलक वर्मा (62 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई।

विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 27 रन, अक्षर पटेल ने 21 रन और हार्दिक पंड्या ने 20 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए आटेनील बार्टमैन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने चार ओवर में 24 रन देकर चार विकेट झटके जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और लुथे सिपमाला को दो दो विकेट मिले।

भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में शुभमन गिल का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल सके। इस तरह खेल के इस प्रारूप में उनकी फॉर्म पर चिंता बरकरार है। एनगिडी की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश में वह पहली स्लिप में खड़े हेंड्रिक्स को कैच दे बैठे।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दो छक्के से आठ गेंद में 17 रन बनाकर तेज शुरूआत की लेकिन यानसन की गेंद पर आउट हो गए। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर डिकॉक के हाथों में समा गई।

चौथे ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के आउट होने से स्कोर तीन विकेट पर 32 रन हो गया। दिलचस्प है कि यानसन की गेंद सूर्यकुमार के बल्ले को छूकर विकेटकीपर के हाथों में गई लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। मारक्रम ने क्षेत्ररक्षकों से पूछने के बाद रिव्यू लेने का फैसला जबकि दो सेकेंड ही बचे थे। और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और निराश सूर्यकुमार के पवेलियन लौटते हुए मैदान पर खामोशी छा गई। तिलक वर्मा ने पांचवें ओवर में सिपमाला पर एक चौका और एक छक्का जमाया। इससे पावरप्ले में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 51 रन था। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारे गए अक्षर पटेल (21 गेंद में 21 रन) ने जैसे ही तेज खेलना शुरू किया, वह बार्टमैन की गेंद पर हेंड्रिक्स के हाथों कैच आउट हो गए। तिलक और पंड्या ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 41 गेंद में 51 रन जोड़े लेकिन तब तक जरूरी रन रेट काफी बढ़ चुका था।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कायक्रम में हुआ बदलाव, 31 दिसंबर की जगह 4 जनवरी से शुरु होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा इस माह के अंत में शुरु होने वाले एलीट पुरुष और महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। सरकार द्वारा लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए अब ये चैम्पियनशिप 31 दिसंबर की जगह पर 4 जनवरी से शुरु होगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, ''सरकार द्वारा अनिवार्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों के 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी होने के कारण अब ये चैंपियनशिप पर चार से 10 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी।''

इससे पहले दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी किए कि एनसीआर राज्य सरकारें और दिल्ली प्रशासन क्षेत्र में उच्च स्तर के वायु प्रदूषण को देखते हुए ऐसे आयोजनों को टालने के लिए तत्काल कदम उठाएं। राष्ट्रीय महासंघों और केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और खेल संघों से भी इस आदेश का पालन करने को कहा गया था। माना जा रहा है कि उसी को देखते हुए मुक्केबाजी चैम्पियनशिप आगे बढ़ायी गयी है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण जीतना है पहलवान रवि दहिया का लक्ष्य

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस

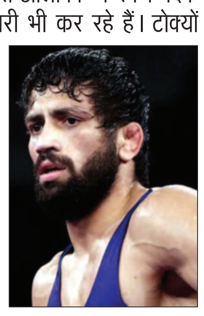

खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

विनेश ने संन्यास का फैसला वापस लिया, लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलना है लक्ष्य

चंडीगढ़ (एजेंसी)। ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने अचानक ही संन्यास से वापसी की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक फाइनल के ठीक पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किये जाने के बाद हताशा में खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अब विनेश ने अपने संन्यास के फैसले को वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा कि वह 2028 लॉस एंजिस ओलंपिक में उतरना चाहती है। इसी साल अगस्त में विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेकर राजनीति में प्रवेश किया था। वहीं अब वह एक बार फिर से मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। संन्यास से वापसी की जानकारी विनेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये दी है।

विनेश ने अपनी एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'लोग आम तौर पर मुझसे पूछते रहते हैं कि क्या पेरिस मेरा आखिरी सफर था? मेरे पास लंबे समय से इस सवाल का जवाब नहीं था। इस दौरान कई साल के बाद मैंने चैन की सांस ली। अपने कार्यभार को समझने के लिए मैंने थोड़ा समय लिया। जीवन का उतार-चढ़ाव, देखा। मुझे अब भी खेल पसंद है। अब भी मैं प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं।' विनेश ने पोस्ट में आगे लिखा, 'शांत माहौल में मुझे कुछ ऐसा मिला जिसे मैं भूल गई थी 'आग कभी नहीं बुझती है।' ये केवल थकावट और शोर के नीचे दबी हुई थी। अनुशासन, दिनचर्या, लड़ाई ये मेरे सिस्टम में है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी दूर चली गई, मेरा एक हिस्सा मैट पर ही रहा है। तो मैं यहां हूं, एक ऐसे दिल के साथ जो निडर है और एक ऐसी भावना के साथ जो झुकने से इंकार करता है, अब ओलंपिक की ओर वापस कदम रख रही हूं। और इस बार, मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा मेरी टीम में शामिल हो रहा है, मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा, 2028 ओलंपिक की इस राह पर मेरा छोटा चीयरलीडर होगा।'

तीन बार की ओलंपियन रही विनेश ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। 2024 पेरिस ओलंपिक में फाइनल से ठीक एक रात पहले विनेश को अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। तब विनेश ने इसे अपने खिलाफ बड़ी साजिश बताया था। इसके बाद प्रशंसकों और करीब लोगों के समझाने के बाद भी विनेश नहीं मानी और संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद विनेश ने हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ा था और जुलाना सीट से 6,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

अंडर-19 एशिया कप में वैभव ने यूएई के खिलाफ लगाया तूफानी शतक

दुबई। यहां यूएई के खिलाफ हुए अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। वैभव ने इस मैच में शतकीय पारी खेलते हुए यूएई के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान आयुश महात्रे शुरुआत में ही आउट हो गये। आयुश तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर ही केवल 4 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद वैभव ने पारी संभाली और जमकर चौके, छक्के लगाये।वैभव ने अपने पचास रन छक्के के साथ बनाये। इसके बाद पारी के 16वें ओवर में वैभव ने लगातार तीन छक्के लगा दिए। इस ओवर ने मैच का पूरा रुख ही बदल दिया। इसके बाद। 21वें ओवर की दूसरी गेंद पर वैभव ने एक रन लेकर अपना शानदार शतक पूरा किया। वैभव ने 56 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, जिसमें 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। वैभव ने 84 गेंदों पर 150 रन पूरे किए। आखिरकार वह 95 गेंदों में 171 रन बनाकर लौटे वैभव की पारी में 14 छक्के और 9 चौके शामिल रहे।वैभव का ये 10 दिनों के अंदर दूसरा शतकहै। वैभव ने 2 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ बिहार की ओर से 108 रन बनाए थे।

महिला पहलवान विनेश फोगट ने संन्यास से की वापसी, तीन बार की ओलंपियन ने किया भावुक पोस्ट

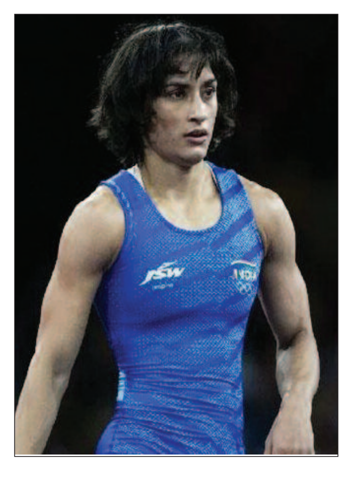

नई दिल्ली। तीन बार की ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। फोगाट ने भावुक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने संन्यास से वापसी की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना है। पिछले साल विनेश फोगाट ने पेरिस 2024 ओलंपिक के तुरंत बाद संन्यास ले लिया था। ठीक एक दिन बाद जब उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले से ज्यादा वजन होने की वजह से अयोग्य घोषित किया गया था। विनेश ने आज सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'लोग मुझसे पूछते रहे कि क्या पेरिस मेरे करियर का अंत है। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से, यहां तक कि अपनी महत्वाकांक्षाओं से भी दूर हटने की जरूरत थी। इतने सालों में पहली बार मैंने खुद को चैन की सांस लेने दी।' उन्होंने कहा, 'मैंने अपने सफर के महत्व को समझने के लिए समय लिया, ऊंचाइयों, दिल टूटने के पलों, बलिदानों और मेरे उन रूपों को समझा जिन्हें दुनिया ने कभी नहीं देखा। और इसी आत्मचिंतन में मुझे सच्चाई मिली, कि मुझे अब भी इस खेल से प्यार है। मैं अब भी प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं।'

मेस्सी भारत दौरे में धूम मचाने के लिए तैयार, लेकिन 2011 की तरह नहीं दिखेगा फुटबॉल जादू

कोलकाता (एजेंसी)। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी की 2011 के बाद शनिवार से शुरू होने वाली पहली भारतीय यात्रा चकाचौंध से भरपूर होगी लेकिन इसमें फुटबॉल का खास जादू देखने को नहीं मिलेगा। मेस्सी का यह दौरा यह 2011 की तुलना में पूरी तरह से अलग होगा जब यहां साल्ट लेक स्टेडियम में दर्शकों ने सुपरस्टार के पांवों का जादू देखा था। तब फीफा मैत्री मैच में अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 1-0 से हराया था और 85,000 से अधिक प्रशंसक स्टेडियम में जमा हुए थे। कुछ दर्शक तो स्टैंड के किनारों पर भी बैठे थे।

आठ बार बैलोन डीओर जीतने वाले मेस्सी इस बार 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' में फुटबॉल खेलने वाले नहीं हैं। यह पूरी तरह से प्रचार और व्यावसायिक रूप से आयोजित कार्यक्रम है, जो शनिवार को यहां शुरू होगा और सोमवार को नई दिल्ली में समाप्त होगा। फिर भी एक ऐसे शहर के लिए यह बेहद खास है, जिसने कभी माराडोना तो कभी पेले को सिर आंखों पर बिठाया तो कभी अपने फुटबॉल प्रेम से डुंगा को चकाचौंध किया और रोनाल्डिन्हो को गले लगाया। इसे देखते हुए फुटबॉल नहीं खेलने के बावजूद यह शहर मेस्सी को अपने सिर आंखों पर बिठाने के लिए तैयार है।

सॉल्ट लेक स्टेडियम में कार्यक्रम, 7,000 की टिकट

आयोजकों ने सॉल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम के लिए 78,000 सीटें सुरक्षित रखी हैं। यहां मेस्सी शनिवार को 45 मिनट तक चलने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिए टिकटों की कीमत 7,000 रुपए तक है। यह देखना हालांकि बाकी है कि फुटबॉल प्रेमी इस कार्यक्रम के प्रति कितना उत्साह दिखाते हैं। मेस्सी भारत में 72 घंटे से भी कम समय बिताएंगे, लेकिन इस दौरान वह चार महानगरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा करेंगे।

कई दिग्गजों से मिलेंगे मेस्सी

अपनी इस संक्षिप्त दौरे के दौरान उनके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज, बॉलीवुड हस्तियां और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ निर्धारित बैठक भी शामिल है। मेस्सी के प्रशंसकों में से एक भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का भी 14 दिसंबर को धर्मशाला में होने वाले टी20 मैच के बाद उनसे मिलने की उम्मीद है। मेस्सी का पिछला भारत दौरा फुटबॉल प्रेमियों की स्मृतियों में आज भी जीवंत बना हुआ है, जब उन्होंने तीन सितंबर, 2011 को अपने पांवों का जादू दिखाकर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया था। भले ही वह उस मैच में गोल नहीं कर पाए थे लेकिन उन्हें अपने सामने खेलते हुए देखना भी बहुत बड़ा रोमांच था।

मेस्सी के दौरे का मुख्य आकर्षण

मेस्सी के वर्तमान दौरे का मुख्य आकर्षण रविवार को मुंबई में होने वाला 45 मिनट का फैशन शो होगा जिसमें यह दिग्गज फुटबॉलर लंबे समय तक अपने साथी रहे लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल के साथ भाग लेगा। मेस्सी के इस दौरे के प्रमोटर सताद्रु दत्ता ने कहा, 'इसमें मशहूर मॉडल, क्रिकेटर, बॉलीवुड हस्तियां, बिजनेसमैन शामिल होंगे। टाइगर और जैकी श्रॉफ, जॉन अब्राहम और अन्य लोग भी इसमें शिरकत करेंगे।% सुआरेज एक स्पेनिश संगीत कार्यक्रम में भी प्रस्तुति देंगे। आयोजकों ने मेस्सी से 2022 के विश्व कप विजेता अभियान से जुड़ी कुछ यादगार वस्तुएं लाने का अनुरोध किया है, जिनकी मुंबई में नीलामी की जाएगी।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले इस कार्यक्रम से पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में पैडल कप का आयोजन किया जाएगा। मेस्सी कोलकाता में ईएम बाईपास पर स्थित एक पांच सितारा होटल में ठहरेंगे और सुबह प्रायोजकों के साथ विशेष मुलाकात और अभिवादन कार्यक्रम में भाग लेंगे। कोलकाता में अब VIP रोड पर श्रीभूमि क्लॉक टॉवर (बिग बेन की प्रतिकृति) के पास एक नया 'मेस्सी लैंडमार्क' भी होगा, जिसमें अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान की ट्रॉफी को ऊपर उठाए हुए 70 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा लगाई गई है।

सुरक्षा कारणों से इसका अनावरण मेस्सी के होटल स्थित कमरे से ही वर्चुअल तरीके से किया जाएगा। मेस्सी के 25 गुणा 20 फीट के एक भित्ति चित्र का भी अनावरण किया जाएगा। बाद में इसे साल्ट लेक स्टेडियम में मेस्सी को भेंट किया जाएगा। इस कार्यक्रम के बाद मेस्सी दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में होने वाला मेस्सी का प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद हैदराबाद को उनके कार्यक्रम में जोड़ा गया था। हैदराबाद पहुंचने के बाद मेस्सी जीओएटी कप में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे जिसमें सात सात खिलाड़ियों के बीच प्रदर्शनी मैच, पेनल्टी शूटआउट, युवा प्रतिभाओं के लिए एक मास्टरक्लास और संगीतमय प्रस्तुति भी शामिल है।

पीएम मोदी से मुलाकात और दौरे का समापन

मेस्सी अपने दौरे का समापन दिल्ली में करेंगे, जहां वह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। इस साल की शुरुआत में गोथिया कप, डाना कप और नॉर्वे कप में शानदार जीत हासिल करने वाले मिनर्वा अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मेस्सी की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही एक प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा जिसमें 9-9 खिलाड़ी भाग लेंगे। मेस्सी के इस दौरे को लेकर हर कोई उत्साहित है और यही वजह है कि कुछ पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी आमंत्रित न किए जाने पर 'दुखी और अपमानित' महसूस कर रहे हैं।

पेले के खिलाफ 1977 में प्रदर्शनी मैच खेलने वाले भारत और मोहन बागान के पूर्व मिडफील्डर गौतम सरकार ने अपनी बात कहने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, 'यह सब केवल दिखावा है। मेस्सी तो सिर्फ हाथ मिलाने आ रहे हैं। जब पेले यहां आए थे तो हमारे साथ खेले भी थे।' सरकार ने कहा, 'मेस्सी को बुलाने के बजाय हमारा ध्यान देश में फुटबॉल को बेहतर बनाने पर होना चाहिए। हमें भारतीय फुटबॉल को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और अतीत के गौरव को वापस लाना चाहिए।% भारत के पूर्व डिफेंडर सुब्रत भट्टाचार्य ने भी कहा कि वह अपमानित महसूस कर रहे हैं।

मात्र 10 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था रति अग्निहोत्री ने

बॉलीवुड एक्ट्रेस रति अग्निहोत्री को एक समय खूबसूरती और संजीदा अभिनय की मिसाल माना जाता था। दर्शक उन्हें 'स्वर्ग से उतरी अप्सरा' तक कहकर पुकारते थे। रति अग्निहोत्री भी बॉलीवुड के कई प्रतिभाशाली कलाकारों में शामिल हैं। रति अग्निहोत्री का जन्म 10 दिसंबर 1960 को उत्तर प्रदेश के बरेली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय और मॉडलिंग का शौक था और मात्र 10 साल की उम्र में उन्होंने काम करना शुरू कर दिया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए, 16 साल की उम्र में उन्हें तमिल फिल्म 'पुदिया वरपुकल' में काम करने का अवसर मिला। यह उनकी पहली तमिल फिल्म थी, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई और उन्हें साउथ इंडस्ट्री में पहचान दिला गई। इसके बाद वह कमल हासन, रजनीकांत और चिरंजीवी जैसे सुपरस्टार्स के साथ कई तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में नजर आईं। हिंदी सिनेमा में उनकी एंट्री 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'एक दूजे के लिए' से हुई, जिसमें उन्होंने कमल हासन के साथ काम किया। फिल्म बड़ी हिट रही और रति को रातों-रात स्टारडम मिल गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला, जिससे बॉलीवुड में उनकी स्थिति और मजबूत हुई। 1980 के दशक में उन्होंने 'कुली', 'तवायफ', 'अय्याश', 'शौकीन', 'मुझे इंसाफ चाहिए', 'मैं आवारा हूं' और 'फर्ज और कानून' जैसी कई सफल फिल्मों में मजबूत भूमिकाएँ निभाईं। करियर के शिखर पर रहते हुए रति ने 1985 में आर्किटेक्ट अनिल विरवानी से शादी कर ली और फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्हें आगे भी कई बड़े ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने परिवार पर ध्यान देने के लिए केवल चुनिंदा साइड रोल स्वीकार किए। 2001 में उन्होंने 'कुछ खट्टी कुछ मीठी' के साथ फिल्मों में वापसी की। इसके बाद 'क्यों हो गया नाज', 'हम तुम', 'ये है जलवा', 'देव' और 'पहचान' जैसी फिल्मों में साइड रोल करके भी उन्होंने अपनी उपस्थिति को मजबूती से दर्ज कराया।

धर्मेंद्र के जन्मदिन पर सुभाष घई ने लिख दिल छू लेने वाला संदेश

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने अभिनेता धर्मेंद्र की 90वीं जन्म जयंती पर उन्हें खास अंदाज में याद किया। सोशल मीडिया पर उनके साथ जुड़ी पुरानी यादों को साझा करते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी। घई ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र की एक स्केच तस्वीर पोस्ट करते हुए एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने अभिनेता की शानदार फिल्मी यात्रा, उनके व्यक्तित्व और बहुमुखी अभिनय क्षमता की जमकर सराहना की। सुभाष घई ने अपने संदेश में लिखा, 卐60 साल से हमारे हीमैन स्क्रीन स्टार धर्मेंद्र को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लगभग हर बड़े निर्देशक के साथ काम किया है। सीधा-साधा नौजवान, एंग्री एक्शन हीरो, संवेदनशील प्रेमी, कवि, कमीडियन, ऐतिहासिक किरदार या फिर अध्यात्म से जुड़ा चरित्र हर रूप में दर्शकों ने उन्हें सराहा। यह सब उनके सादगी भरे साफ दिल और मेहनत की वजह से संभव हो पाया।' घई ने आगे लिखा कि उनकी नजर में धर्मेंद्र एक ऐसे सितारे थे, जिन्होंने अपने अभिनय के जरिए ना सिर्फ शुभचिंतकों का दिल जीता, बल्कि इंसानियत और सरलता की मिसाल भी कायम की। घई ने अपने संदेश में विशेष रूप से वर्ष 1981 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'क्रोधी' का उल्लेख किया। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने मुख्य किरदार निभाया था, जो एक पढ़ा-लिखा माफिया डॉन होता है और बाद में जीवन की घटनाओं से प्रभावित होकर अध्यात्म का मार्ग अपनाता है।

घई ने इसे अपने करियर की भी खास फिल्म बताया और कहा, 'उन्होंने मेरी फिल्म 'क्रोधी' में जो चुनौतीपूर्ण रोल किया, वह आज भी मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में शामिल है। इस किरदार में गुस्से, बदले और आध्यात्मिक बदलाव का अनोखा संगम था, जिसे धर्मेंद्र ने बेहद खूबसूरती से निभाया। हैप्पी बर्थडे पाजी, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।' 'क्रोधी' एक दमदार एक्शन थ्रिलर थी, जिसमें धर्मेंद्र के साथ शशि कपूर, जीनत अमान, प्रेमनाथ, रंजीता, सचिन, प्राण और अमरीश पुरी जैसे कई नामी कलाकार नजर आए। फिल्म में विशेष भूमिकाओं में हेमा मालिनी और मौसमी चटर्जी भी शामिल थीं। दर्शकों ने फिल्म में धर्मेंद्र के द्वारा गुस्से और प्रतिशोध से भरे व्यक्ति से शांत और आध्यात्मिक व्यक्तित्व में हुए परिवर्तन को खूब सराहा था।

दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया उर्वशी रौतेला के डांस मूव्स ने

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के दमदार सेल्फ डांस चैलेंज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उनके एनर्जेटिक मूव्स, तकनीकी डांस स्किल्स और बेहतरीन स्टेज प्रेज़ेंस ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ ही घंटों में यह वीडियो कई प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया और फैंस लगातार इसे शेयर और रीक्रिएट कर रहे हैं। वीडियो में उर्वशी का आत्मविश्वास, ग्रेस और कच्चा टैलेंट साफ झलकता है। उनकी हर मूवमेंट में एक अलग ही चमक दिखाई देती है, जिसने लोगों को उनकी तुलना बेयॉन्स और जेनिफर लोपेज जैसी ग्लोबल सुपरस्टार्स से करने पर मजबूर कर दिया है। सोशल मीडिया पर लोग कमेंट्स की बाढ़ ला रहे हैं और उन्हें 'इंडिया की डांस क्वीन' तक कह रहे हैं। कई फैंस ने उनके सिग्नेचर स्टेप्स को कॉपी कर अपने संस्करण भी बनाए हैं, जिससे यह चैलेंज और ज्यादा ट्रेंड में आ गया है। इस चैलेंज की खासियत यह है कि यह उर्वशी की एक अलग ही झलक पेश करता है—फिल्मों और स्टेज शो से अलग, ज्यादा व्यक्तिगत और जुड़ाव भरा अंदाज। उनका यह सेल्फ-डांस चैलेंज दर्शाता है कि वह सिर्फ कैमरे पर ही नहीं, बल्कि अपने वास्तविक अंदाज में भी कितनी सहज और प्रतिभाशाली हैं। यह सिर्फ एक वीडियो नहीं बल्कि उनके टैलेंट, कॉन्फिडेंस और स्टारडम का उत्सव है। फैंस की प्रतिक्रियाएं भी बेहद उत्साहजनक रही हैं। किसी ने लिखा, 'उर्वशी इज़ गोल्स! उनकी एनर्जी का कोई जवाब नहीं', तो वहीं एक अन्य ने कहा, 'इसीलिए वो इंडिया की बेयॉन्स हैं।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ है कि उर्वशी ने अपनी कला से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है। इस वायरल चैलेंज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उर्वशी रौतेला सिर्फ सुंदरता और ग्लैमर की वजह से नहीं, बल्कि अपनी अथक मेहनत और बहुमुखी प्रतिभा के चलते इंडस्ट्री की शीर्ष परफॉर्मर्स में शामिल हैं। उनके इस वीडियो ने न केवल यादगार पल बनाए हैं बल्कि कई युवा कलाकारों को भी प्रेरित किया है। उर्वशी रौतेला लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह हर बार कुछ नया और ऊर्जावान लेकर आती हैं—और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

गुमनामी की जिंदगी जी रही एक्ट्रेस प्रिया गिल

अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री प्रिया गिल आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। 1999 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'सिर्फ तुम' में अभिनय के बाद अभिनेत्री प्रिया गिल अचानक रातोंरात स्टार बन गई थीं, लेकिन समय के साथ वह फिल्मी दुनिया से दूर होती चली गईं। एक्ट्रेस आज पूरी तरह गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं। बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली प्रिया गिल ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों शाहरुख खान और सलमान खान के साथ भी काम किया, लेकिन मायूसी और संघर्ष ने उन्हें कैमरे की चमक से बहुत दूर कर दिया। प्रिया गिल ने 1995 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट बनकर मनोरंजन जगत में कदम रखा। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह के साथ 1996 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे मेरे सपने' से की।

फिल्म में उनकी एक्टिंग की सराहना हुई, लेकिन उन्हें उस फिल्म की तलाश थी जो उनके करियर को नई ऊंचाई दे। यह मौका उन्हें मिला 1999 में आई फिल्म 'सिर्फ तुम' से, जिसमें उन्होंने संजय कपूर के साथ काम किया। फिल्म रिलीज होते ही प्रिया गिल की मीठी मुस्कान, नैचुरल एक्टिंग और सादगी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और वह रातोंरात स्टार बन गईं। सफलता के इस दौर में प्रिया गिल ने बड़े सितारों के साथ भी बेहतरीन भूमिकाएँ निभाईं। वह 2000 में आई फिल्म 'जोश' में शाहरुख खान के साथ मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय भी थीं, जो शाहरुख की बहन बनी थीं, लेकिन प्रिया गिल ने बतौर हीरोइन अपनी अलग पहचान छोड़ी। इसके अलावा उन्होंने सलमान खान के साथ 'बड़े दिलवाला' और नागार्जुन जैसे साउथ के सुपरस्टार के साथ फिल्में कीं। हालांकि, 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'बड़े दिलवाला' उनके करियर के लिए निर्णायक मोड़ साबित हुई। फिल्म असफल रही और इसके बाद उन्हें फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं मिलना बंद हो गया।

अभिनेत्री दीया मिर्जा का प्रेरणादायक है सफर

महज 20 साल की उम्र में बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल और सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। हाल ही में दीया मिर्जा अपना जन्मदिन मनाया। उनका सफर सिर्फ ग्लैमर की दुनिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों से भी गहराई से जुड़ा है। दीया को उनकी पहली पहचान 2001 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' की 'रीना मल्होत्रा' के किरदार से मिली, जिसने दर्शकों के दिलों में उन्हें हमेशा के लिए बसा दिया। दीया मिर्जा का जन्म 9 दिसंबर 1981 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता फ्रैंक हैंडरिच जर्मन ग्राफिक और आर्किटेक्चर डिजाइनर थे, जबकि मां दीपा मिर्जा बंगाली इंटीरियर डिजाइनर और लैंडस्केप आर्टिस्ट हैं। जब दीया सिर्फ साढ़े चार साल की थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए।

बचपन की चुनौतियों के बावजूद दीया ने पढ़ाई और करियर दोनों में सफलता हासिल की। उन्होंने अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री पूरी की और कॉलेज के दौरान ही एक मीडिया फर्म में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी शुरू कर दी। इसी दौरान वह प्रिंट और टीवी विज्ञापनों में मॉडलिंग करने लगीं और कई बड़े ब्रांड्स का चेहरा बनीं। साल 2000 में दीया ने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और रनर-अप रहीं। इसके बाद उन्होंने मिस एशिया पैसिफिक का खिताब अपने नाम किया और सिर्फ 18 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में उनकी सादगी, आत्मविश्वास और गरिमा की खूब चर्चा हुई। इसी के बाद बॉलीवुड के दरवाजे उनके लिए खुले और 2001 में आई फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' ने उन्हें स्टारडम दिलाया। फिल्म में आर। माधवन और सैफ अली खान के साथ दीया की केमिस्ट्री और उनकी मासूमियत को दर्शकों ने भरपूर पसंद किया। फिल्मी करियर में दीया ने 'संजू', 'थप्पड़', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'एसिड फैक्ट्री', और 'सलाम मुंबई' जैसी फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई। मगर वह कभी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहीं। दीया पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और बच्चों की शिक्षा जैसे मुद्दों पर लगातार सक्रिय रही हैं। वह संयुक्त राष्ट्र की गुडविल एंबेसडर हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए कई अभियानों का नेतृत्व करती रही हैं। साल 2019 में उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'वन इंडिया स्टोरी' की शुरुआत की, जिसके जरिए वह समाज से जुड़े सार्थक कंटेंट बनाने का काम कर रही हैं।

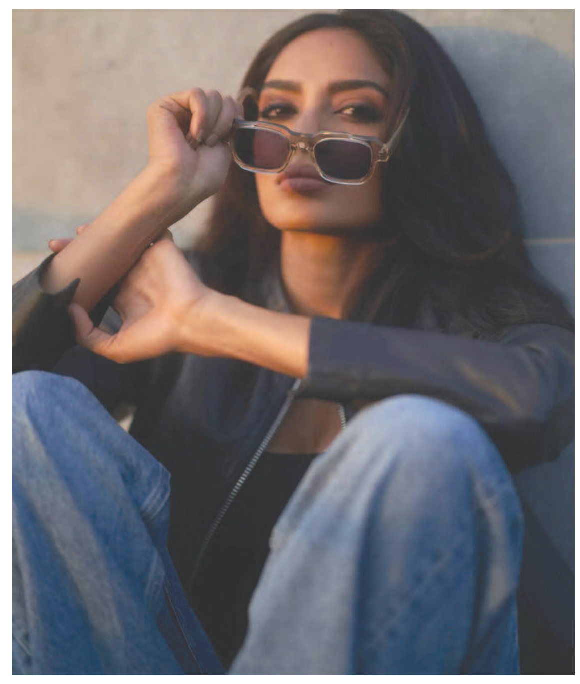

जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर शोभिता धुलिपाला ने दिखाया स्वैग

आमतौर पर साड़ी और लहंगे में नजर आने वाली साउथ की मशहूर एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर ऐसा स्वैग दिखाया कि फैंस उनकी तुलना अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा तक से करने लगे। उनका यह मॉडर्न अवतार देखते ही देखते वायरल हो गया और लोग उनके नए स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। नागार्जुन की बहू बनने के बाद से शोभिता का हर लुक लाइमलाइट में रहता है, लेकिन इस बार उनका बदला हुआ स्टाइल सबसे ज्यादा चर्चा में है। उन्होंने ब्लैक लेदर जैकेट, हाई-वेस्ट डेनिम जींस और अंदर ब्लैक टैंक टॉप पहनकर एकदम ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक क्रिएट किया। आउटफिट बेहद सिंपल था, लेकिन इसे जिस अंदाज में उन्होंने कैरी किया, वह उनके पूरे व्यक्तित्व को अलग ही स्तर पर ले गया। उनका पोज़, एक्सप्रेशन और बॉडी लैंग्वेज हर फोटो में कूल और स्टाइलिश वाइब दे रहे थे। ब्लैक लेदर जैकेट इस पूरे लुक का सबसे आकर्षक हिस्सा बन गया। इसकी फिटिंग, सिल्वर ज़िप्स और स्टाइलिश कट्स ने उनके बोल्ड अंदाज को और निखारा। वहीं, ब्लैक टैंक टॉप ने उनके लुक में परफेक्ट बोल्डनेस जोड़ दी। प्लेन होने के बावजूद इसका फिट और स्टाइल आउटफिट को खास बना रहा था। हाई-वेस्ट जींस का चुनाव भी बेहतरीन रहा, जिसने उनके मॉडर्न और कंफर्टेबल स्टाइल को पूरा किया। गोल सिल्वर बटन और डीप पॉकेट्स ने जींस को और आकर्षक बनाया, जबकि पॉकेट में हाथ डालकर दिए गए उनके पोज़ तस्वीरों को और भी क्लासी बना रहे थे। शोभिता ने इस पूरे लुक को एक्सेसरीज के साथ ओवरडन नहीं किया। उन्होंने केवल एक चंकी सिल्वर नेकलेस पहना और बाकी ज्वेलरी को पूरी तरह इग्नोर किया। उनकी आंखों पर लगा ब्लैक सनग्लास उनके कूल अंदाज का सबसे बड़ा हाइलाइट बना। साधारण वेस्टर्न आउटफिट को उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ पेश किया, उसने उन्हें और भी गॉर्जियस बना दिया। फैंस उनके इस अवतार पर लगातार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। किसी ने उन्हें 'साउथ की प्रियंका चोपड़ा' कहा तो किसी ने 'लेडी सिंघम'। कई लोगों का कहना है कि शोभिता बिना किसी विशेष मेहनत के ही स्टाइलिश और ग्लैमरस दिखने की क्षमता रखती हैं। उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके इस मॉडर्न, bold और कॉन्फिडेंट लुक पर फिदा हो गए हैं। बता दें कि साउथ स्टार नागार्जुन की बड़ी बहू और एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला अक्सर अपने एथनिक और एलीगेंट लुक्स के लिए मशहूर रही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा वेस्टर्न अंदाज अपनाया कि सोशल मीडिया पर हलचल मच गई।

काम पर लौटीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने की खुशी के बाद अब दोबारा काम पर लौट आई हैं। कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई को अपनी बेटी सारायाह का स्वागत किया था। माता-पिता बनने के बाद यह पहली बार है जब कियारा मीडिया कैमरों के सामने दिखाई दीं। लगभग पांच महीनों के बाद काम पर वापसी करते हुए कियारा को मुंबई में स्पॉट किया गया, जहां उन्हें देखकर फैंस बेहद उत्साहित हो गए। मदरहुड के बाद कियारा की यह पहली झलक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। फैंस लंबे समय से उनकी स्क्रीन पर वापसी का इंतजार कर रहे थे। मां बनने के बाद कियारा ने काफी समय परिवार को दिया और अब दोबारा अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को निभाने की शुरुआत की है।

कियारा पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड की टॉप लीग की अभिनेत्रियों में शुमार हो चुकी हैं और उनकी फिल्मों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि ब्रांड्स और फिल्ममेकर्स भी उनकी वापसी का इंतजार कर रहे थे। हालांकि उन्होंने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वह किस प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए सेट पर लौटी हैं, लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह जल्द ही किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती हैं।

डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ: प्राजक्ता कोली

मशहूर यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली कहा कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में यह पहले से कहीं ज्यादा व्यापक, तेज और अनिश्चित हो गया है।
एक्ट्रेस प्राजक्ता ने बताया कि डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दस-ग्यारह साल पहले जब उन्होंने शुरुआत की थी तब केवल लॉन्ग-फॉर्म वीडियो ही चलते थे, लेकिन आज दर्शकों का ध्यान कई प्लेटफॉर्म्स में बंट चुका है। नए-नए फॉर्मेट्स और ट्रेंड्स लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे क्रिएटर्स को भी खुद को लगातार अपडेट रखना पड़ता है। उन्होंने 2017 के डिजिटल बूम को इंडस्ट्री का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इसी बूम की वजह से आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है, जहां हर बड़ा ब्रांड भारतीय कंटेंट क्रिएटर्स के साथ काम करना चाहता है। अपनी जर्नी को वह पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताती हैं। उनके मुताबिक डिजिटल इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप, पैटर्न या रिदम नहीं होता। कभी कुछ वीडियो अच्छा चल जाते हैं और लगता है कि सब सेट हो गया, लेकिन अगला वीडियो आते-आते हालात पूरी तरह बदल सकते हैं।
उन्होंने कहा कि इस फील्ड का यही रोमांच है—यह एक रोलरकोस्टर राइड की तरह है जिसमें हर मोड़ पर नई चुनौती और नया मौका होता है। बीते दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को पहचानना और तुरंत अपनाना जरूरी है। प्राजक्ता ने कहा कि उनके लिए हमेशा यह समझना महत्वपूर्ण रहा कि किस समय क्या चल रहा है, क्या अब काम नहीं कर रहा और फिर बिना रुके नई दिशा की तरफ बढ़ जाना चाहिए। उनकी मान्यता है कि यही एप्रोच उन्हें इंडस्ट्री में लगातार प्रासंगिक बनाए रखती है। डिजिटल स्पेस को वह चुनौतीपूर्ण के साथ-साथ बेहद रोमांचक भी मानती हैं।

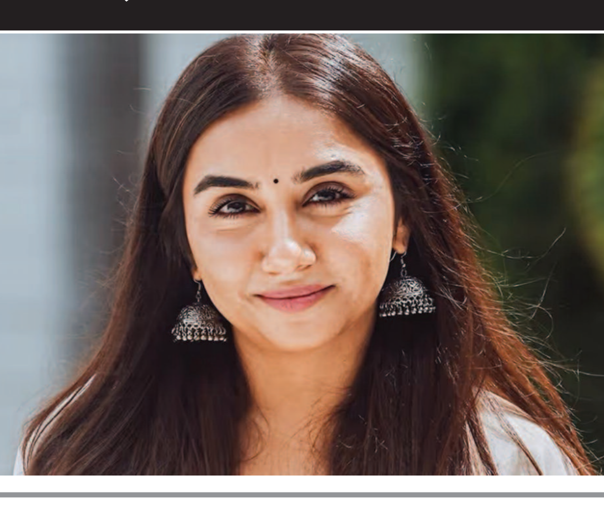

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।